

साप्ताहिक

मोर्निंग सिटी

सच के साथ...

वर्ष - 11, अंक - 22, 09 अगस्त से 15 अगस्त, 2026

मूल्य - 10 रुपये | पृष्ठ 8

WWW :morningcity.in

यूपी का सर्वश्रेष्ठ न्यूज प्लेटफॉर्म

मोर्निंग सिटी



मोटर व्हीकल एक्ट का उल्लंघन, अपीलकर्ता-जुर्माना अदा करे

एजेसी ►► नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में एक व्यक्ति के खिलाफ दर्ज धोखाधड़ी का मामला रद्द किया, जिस पर अपनी गाड़ी की पिछली नंबर प्लेट छिपाने का आरोप था। कोर्ट ने कहा कि पुलिस को केवल यह शक होना कि नंबर प्लेट ट्रैफिक चालान से बचने के लिए छिपाई गई थी, धोखाधड़ी का अपराध नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने सुनवाई के बाद कहा कि अपीलकर्ता को खिलाफ कार्यवाही जारी रखना कमजोर की प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा।

नंबर प्लेट छिपाना धोखाधड़ी का अपराध नहीं : सुप्रीम कोर्ट

क्या कहा सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने

जस्टिस संजय करोल और जस्टिस ऑनगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच ने कहा, पुलिस का यह शक कि पिछली नंबर प्लेट चालान से बचने के लिए छिपाई गई, या यह कि अपराध होने पर अपराधी का पता लगाना मुश्किल होगा, ज्यादा से ज्यादा एक अनुमान ही है। अपीलकर्ता पर एकमात्र आरोप यह है कि वह अपनी प्लेटवा स्कूटी पर पिछली नंबर प्लेट को काले मार्क से ढककर यात्रा कर रहा था। रिकॉर्ड में ऐसा कोई सबूत नहीं है, जिससे पता चले कि ऐसा काम छेड़माली की नीयत से किया गया या इस काम से किसी व्यक्ति को गलत तरीके से फायदा या नुकसान हुआ हो।

क्या है पूरा मामला

अपीलकर्ता काले रंग की छोटी प्लेटवा चला रहा था और उसकी पिछली नंबर प्लेट काले मार्क से ढकी हुई थी। पेट्रोलिंग इयूटी पर तेजा पुलिस ने उसे रोका और उसके खिलाफ धारा 420 और एमवीएक्ट की धारा 80(ए) के तहत एफआईआर दर्ज की गई। आरोपी ने एफआईआर रद्द कराने के लिए तेलंगाना हाईकोर्ट का रुख किया। हाईकोर्ट द्वारा उसकी याचिका खारिज किए जाने के बाद याचिकाकर्ता सुप्रीम कोर्ट पहुंचा।



ज्यादा से ज्यादा लग सकता है जुर्माना

कोर्ट ने कहा कि नंबर प्लेट छिपाने पर ज्यादा से ज्यादा मोटर व्हीकल एक्ट, 1988 एक्ट के तहत जुर्माना लगा सकता है, लेकिन इसे अपराधिक अपराध की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता। कोर्ट ने कहा, मोटर व्हीकल एक्ट और उसके नियमों के तहत नंबर प्लेट को छिपाना रेगुलैटरी उल्लंघन है, जिसे जरूरी शर्तों को साबित किया बिना अपीलकर्ता की धारा 420 के तहत अपराध का रूप नहीं दिया जा सकता।

कार्यवाही जारी रखना कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग : कोर्ट

कोर्ट ने कहा, हमारी यह भी राय है कि सिर्फ पीछे की नंबर प्लेट को ढकना, जबकि आगे की प्लेट साफ दिख रही हो, पहचान या पकड़ से बाधने की सोची-समझी योजना नहीं है। के खिलाफ है। आरोपी को अगर सही भी मान लिया जाए तो भी वे धोखाधड़ी का अपराध नहीं बनता। अपीलकर्ता को निर्देश दिया जाता है कि अगर उसने पहले से ऐसा नहीं किया है, तो वह एक महीने के भीतर संबंधित अधिकारी के पास यह जुर्माना जमा करे।

खबर संक्षेप

सुरंग के भीतर टकराए वाहन, तीन जवान घायल

जम्मू। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर रामबन जिले में एक सुरंग के भीतर शनिवार को सशस्त्र सोमा बल के तीन वाहनों के आपस में टकराने से कम से कम तीन जवान घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि एसएसबी का काफिला श्रीनगर से जम्मू की ओर जा रहा था, तभी केला मोड़ के पास यह दुर्घटना हो गई। अधिकारियों ने प्रारंभिक रिपोर्टों के हवाले से बताया कि सुरंग के भीतर से गुजर रहे एक वाहन ने अचानक ब्रेक लगा दिया, जिसके बाद उसके पीछे चल रहे वाहन आपस में टकरा गए।

छात्रा ने मॉल से छलांग लगाकर की आत्महत्या नई दिल्ली।

दिल्ली में शनिवार को राजौरी गार्डन पिक लाइन मेट्रो स्टेशन के पास स्थित एक मॉल की ऊपरी मंजिल से आर्यभट्ट कॉलेज की 19 वर्षीय छात्रा ने कथित तौर पर छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। घटनास्थल से हाथ से लिखा हुआ एक 'सुसाइड नोट' बरामद किया गया है, जिसमें लड़की ने लिखा है कि वह अपनी मर्जी से आत्महत्या कर रही है। प्रारंभिक पृष्ठताल में मृत छात्रा के परिजनों ने पुलिस को बताया कि वर्ष 2021 में मां की मौत के बाद से वह अवसाद में थी। लड़की दिल्ली के आर्यभट्ट कॉलेज में बीए तृतीय वर्ष की छात्रा थी।

सुरक्षा गार्ड ही निकला बंदीनाथ मंदिर दानपात्र का चोर, गिरफ्तार



एजेसी ►► देहरादून

उत्तराखंड के बंदीनाथ मंदिर से दान-दक्षिणा चुराने के आरोप में पुलिस ने एक सुरक्षा गार्ड मनोज कुमार को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने उसे जून के आखिरी दिनों की सीसीटीवी फुटेज देखकर

सीसीटीवी ने खोली पोल

पकड़ा। फुटेज में साफ दिखा कि वह मंदिर के गिनती वाले कमरे से दान का सामान उठा रहा था। मनोज असल में एक हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्टर में काम करता है। वह बंदीनाथ मंदिर में सिर्फ खास या आईपी लोगों के दौरे के दौरान मदद करने आया था।

चोरी का सामान भी हुआ बरामद

पुलिस की पृष्ठताल में उसने अपना गुनाह कबूल कर लिया। इसके बाद पुलिस उसे उसके लम्बगड स्थित घर ले गई। वहां से पुलिस को चोरी का सामान मिला, जिसमें गहने, सिक्के और 6,000 रुपये नकद शामिल हैं। उसके मोबाइल फोन में भी चोरी किए गए सामान की तस्वीरें मिलीं। उसने यह भी बताया कि उसने कुछ सामान तीर्थयात्रियों को बेच दिया था और उन पैसों को खर्च कर चुका था।

हाईकोर्ट के पूर्व न्यायाधीश को जान से मारने की धमकी

एजेसी ►► कोलकाता

पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची विशेष पुनरीक्षण अपील ट्रिब्यूनल की अध्यक्षता कर रहे कलकत्ता हाई कोर्ट के एक पूर्व न्यायाधीश ने अपने घर पर जान से मारने की धमकियां मिलने के बाद सुप्रीम कोर्ट से सुरक्षा की गुहार लगाई है। पेशे से वकील उनके बेटे ने बताया कि मई 2026 में परिवार को 2 बार धमकी भरे खत मिले। इससे उनकी सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं बढ़ गई हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- कलकत्ता हाईकोर्ट हस्तक्षेप करे

ये धमकी मरे पत्र 30 मई और 2 मई को सीधे उनके कोलकाता स्थित आवास पर भेजे गए थे। इसके बाद उनके घर पर लगे कैमरों की तारी की काट दी गई। ये धमकियां विधानसभा चुनावों से ठीक पहले मिली थीं। परिवार का कहना है कि उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, फिर भी उन्हें न तो कोई ठोस सुरक्षा मिली और न ही मामले की सही ढंग से जांच हुई। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले को गंभीर बताया है और कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से इसमें हस्तक्षेप करने को कहा है।

सुप्रीम कोर्ट से दखल की मांग



ईरान के राष्ट्रपति मसूद ने कहा- जंग हमने शुरू नहीं की, मगर लड़ते रहेंगे

ट्रंप-नेतन्याहू को ईरान की चेतावनी, ख्वाब देखना बंद करो, हम ना रुकेंगे, ना झुकेंगे

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने डोनाल्ड ट्रंप और बेंजामिन नेतन्याहू को बड़ी चेतावनी दी है और कहा है कि ईरान का संरेडर करने की अमेरिका की मांग सिर्फ एक सपना है। पेजेशकियान ने कहा कि यह युद्ध ईरान ने शुरू नहीं किया है, जिसने यह युद्ध शुरू किया है, वही खत्म करेगा। हम ना झुकेंगे और ना ही किसी से डरेंगे। पेजेशकियान ने दावा किया कि ईरान अपने रास्ते पर मजबूती से आगे बढ़ेगा और पहले से ज्यादा मजबूत होगा।

एजेसी ►► तेहरान

ईरानी राष्ट्रपति ने कहा कि ईरान ने अपने विरोधियों की उन सभी कोशिशों को नाकाम कर दिया है, जिनका एक ही मकसद था सैन्य दबाव के जरिए ईरान को कमजोर करना। हम पर इतने हमले हुए लेकिन इस मुश्किल घड़ी में भी ईरान आज एक मजबूत देश के रूप में खड़ा है और विरोधियों का डटकर मुकाबला कर रहा है।

हमने दुश्मनों का सपना चकनाचूर कर दिया

पेजेशकियान ने शुक्रवार को ईरानी सरकार की टीवी पर दिए गए अपने एक इंटरव्यू के दौरान कहा, हमने युद्ध की शुरुआत नहीं की और युद्ध से पहले ईरानी सरकार बातचीत के जरिए इस मसले को सुलझाने की कोशिश कर रही थी, लेकिन हालात धीरे-धीरे युद्ध की ओर बढ़ गए। विरोधियों को उम्मीद थी कि देश में सैन्य दबाव और बिगड़ती स्थिति के कारण ईरान बिखर जाएगा लेकिन उनका यह सपना पूरा नहीं हुआ।



सोचा था सैन्य दबाव और बिगड़ती स्थिति के कारण ईरान बिखर जाएगा लेकिन ट्रंप का यह सपना पूरा नहीं हुआ

विरोधियों ने ईरान को समझ लिया था सीरिया : पेजेशकियान

पेजेशकियान ने दावा किया कि उनके विरोधियों ने सीरिया की तरह 48 घंटे में ईरान पर कब्जा करने की कोशिश की थी, लेकिन ईरान ने उनकी प्लानिंग पर पानी फेर दिया और मौजूदा परिस्थितियों ने यह साबित कर दिया है कि कोई भी ईरान को इतनी आसानी से कमजोर या अस्थिर नहीं कर सकता है।

सुप्रीम लीडर के बारे में पेजेशकियान ने क्या बताया

पेजेशकियान ने ईरान के सुप्रीम लीडर मुज्तबा खमेनेई के बारे में बताया कि उनसे अभी बातचीत करना बहुत मुश्किल है, लेकिन खमेनेई की मौजूदगी ईरान की सबसे बड़ी ताकत है। बता दें कि ईरान के सर्वोच्च नेता मुज्तबा खमेनेई को लेकर कई तरह की बातें की जा रही हैं क्योंकि मुज्तबा सार्वजनिक रूप से नजर नहीं आ रहे हैं। हालांकि ईरान इसके पीछे सुरक्षा और स्वास्थ्य संबंधी कारण बताता है।

ट्रंप के जनरल ने चेतावनी- अमेरिका जंग से बाहर नहीं निकला तो...



अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खास और यूएस जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टॉफ हेड जनरल डैन केन ने व्हाइट हाउस के शीर्ष अधिकारियों के साथ एक बैठक में कहा कि अमेरिका को अब ईरान जंग से बाहर निकलने का रास्ता तलाशना चाहिए। सेना और खुफिया रिपोर्टों से ये स्पष्ट हो चुका है कि केवल बमबारी करके ईरान को झुकने पर मजबूर नहीं किया जा सकता है। पिछले छह महीनों से जारी इस युद्ध के कारण अमेरिका के हथियारों का स्टॉक भी कम हो गया है। उनका मानना है कि अगर अमेरिका सैन्य ताकत बढ़ाता है तो यह उसके ऊपर उरदा पड़ सकता है। डैन केन ने कहा कि ईरान पर केवल हवाई हमला करने से ट्रंप ने जो लक्ष्य तय किया है उसे नहीं पाया जा सकता है।

पाकिस्तान को मेनी जानकारियां

हनीट्रेप में फंसा वायुसेना का विंग कमांडर गिरफ्तार

एजेसी ►► नई दिल्ली

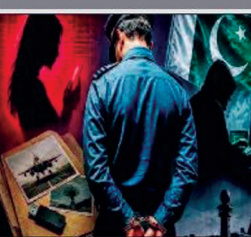
इंडियन एयर फ़ोर्स के विंग कमांडर को दिल्ली पुलिस ने डिफेंस से जुड़ी सेंसिटिव जानकारी लीक करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। हनीट्रेप में फंसे इस अधिकारी पर कई गोपनीय जानकारी लीक करने का आरोप है।

पुलिस ने ऑफिशियल सोफ़्टवेयर एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल वायुसेना का विंग कमांडर ज्युडिशियल कस्टडी में है। दिल्ली पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, यह मामला एक बड़े जासूसी नेटवर्क की ओर इशारा करता है जिसका मकसद स्ट्रेटेंजिक मिलिट्री इंटेलेजेंस इकट्ठा करना था।

डिजिटल चैनलों के जरिए सेंसिटिव डॉक्यूमेंट मेजने का आरोप

सेंसिटिव डॉक्यूमेंट और डेटा भेजे पुलिस सूत्रों ने बताया कि आरोपी अधिकारी एक फ़्रीलैंड यूनित में तैनात था। एक महिला ने सोशल

जासूसी के आरोप में गिरफ्तार, चार्जशीट दाखिल



मीडिया के जरिए आरोपी को हनीट्रेप में फंसाया और वीडियो कॉल पर उससे बातचीत करने लगी। सूत्रों के मुताबिक, महिला ने वायुसेना के इस अधिकारी से मिलिट्री मुवमेंट और ट्रूप डिप्लॉयमेंट के बारे में जानकारी, साथ ही फोटो, वीडियो और दूसरा सेंसिटिव डेटा देने को कहा।

पुलिस सूत्रों का कहना है कि विंग कमांडर ने डिजिटल चैनलों के जरिए महिला को सेंसिटिव डॉक्यूमेंट और डेटा भेजे।

पीआईए के हनीट्रेप का हुआ शिकार

सूत्रों के मुताबिक, आईएफएफ ऑफिशर कथित तौर पर पाकिस्तानी इंटेलेजेंस ऑपरेटिव्स द्वारा रचे गए हनी ट्रैप का शिकार हुआ। उन पर एक सहकर्मी के मोबाइल फ़ोन पर डेटा चुराने वाला सॉफ़्टवेयर इंस्टॉल करने का भी आरोप है, ताकि डिवाइस पर कंट्रोल पाने की कोशिश की जा सके। आगे की जांच चल रही है।

पीएम मोदी ने आईआईटी छात्रों को दिया मंत्र, 'छात्रों की गूंज' में पहुंचे राहुल गांधी

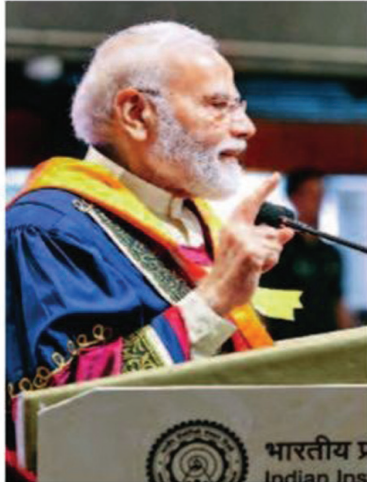
कॉंकरोच जनता पार्टी की दिल्ली में जोरदार प्रदर्शन के बाद देशभर की सियासत युवाओं पर केंद्रित हो रही है। मुंबई में दो दिन पहले संघ प्रमुख मोहन भागवत ने जेन जी और जेन अल्फा से रूबरू हुए थे। शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आईआईटी छात्रों को मंत्र दिया, वहीं प्रयागराज में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी पहुंचे।

आईआईटी दिल्ली पहुंचे प्रधानमंत्री

सवाल पूछने तक न रहें सीमित समाधान भी खोजें : पीएम मोदी

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को छात्रों से कहा कि वे उन बातों पर सवाल उठाएं, जिन्हें बिना सोचे-समझे मान लिया जाता है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उन्हें सिर्फ सवाल पूछने तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उनके समाधान खोजने का साहस भी दिखाना चाहिए। आईआईटी दिल्ली के 57वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने यह भी कहा कि चुनौतियों का सामना करने के लिए नए समाधान खोजने का साहस रखने वालों के लिए चुनौतियां ही अवसर बन जाएंगी। मोदी ने छात्रों को सलाह दी कि वे जीवन में अपनी जिज्ञासा और सीखने की प्रवृत्ति को बनाए रखें।



मेडल पाने वालों की तारीफ

उन्होंने मेडल पाने वालों की खास तौर पर तारीफ की और संस्थान में नई एआईएल पहल की शुरुआत का जश्न मनाया। उन्होंने कहा, आप यहां से देश के लिए बहुत कुछ करने का सपना लेकर निकल रहे हैं। छात्रों की इस तेज-तर्रार यात्रा पर बात करते हुए, मोदी ने प्रबोधन दिवस से लेकर दीक्षांत समारोह तक के उनके सफर को विस्तार से याद किया।

बताई डिग्री की अहमियत

आईआईटी डिग्री की असली अहमियत को नए सिरे से परिभाषित करते हुए, मोदी ने जोर दिया कि यह योग्यता सिर्फ अच्छे सीजीपीए (क्युमुलेटिव ग्रेड पॉइंट स्कोर) या मोटी सैलरी वाले नियुक्ति प्रस्तावों से कहीं बढ़कर है; बल्कि यह मुश्किल समस्याओं को सुलझाने की बेहतरीन कौशलियत का एक पक्का वैश्विक प्रमाण-पत्र है। उन्होंने कहा, आपकी डिग्री दुनिया को ये बताती है कि आप कठिन समस्याओं का समाधान करना जानते हैं।

एजेसी ►► प्रयागराज

भारत के 40 करोड़ युवा देश की सबसे बड़ी ताकत : राहुल

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को कहा कि भारत के युवा इस देश की सबसे बड़ी ताकत हैं और इनकी संभावना दुनिया में बेजोड़ हैं। राहुल ने यहां के पी ग्राउंड में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, आप भारत की ताकत और गर्व हो। जब मैं यह कहता हूँ, मैं हर भारतीय नागरिक के बारे में बात कर रहा हूँ। उन्होंने कहा, मैं आज शाम आपसे आपके दर्द, डेटा और दौलत के बारे में बात करना चाहता हूँ। राहुल ने कहा कि भारत के 40 करोड़ युवा इसकी सबसे बड़ी ताकत हैं और अमेरिका, चीन व रूस की तुलना में देश के युवाओं का कोई जवाब नहीं है।



भारत में रोजगार के दरवाजे बंद

राहुल गांधी ने कहा कि प्रॉब्लम है कि पढ़ाई करते हो, पैसा डालते हो लेकिन रोजगार के सारे दरवाजे बंद पड़े हुए हैं। दुनिया में मेड इन चाइना वियतनाम दिखेगा लेकिन मेड इन इंडिया नहीं दिखेगा। जीएसटी और नोटबंदी ने सारे सिस्टम बंद कर दिया। नरेंद्र मोदी, अमित शाह और अदानी ने रोजगार खत्म किया। नोटबंदी ने पढ़ाई और मैनुफैक्चरिंग के दरवाजे किए बंद: राहुल

राहुल गांधी ने कहा कि प्रॉब्लम है कि पढ़ाई करते हो, पैसा डालते हो लेकिन रोजगार के सारे दरवाजे बंद पड़े हुए हैं। मैनुफैक्चरिंग का। दुनिया में मेड इन चाइना वियतनाम, दिखेगा मेड इन इंडिया नहीं दिखेगा। जीएसटी और नोटबंदी ने सारे सिस्टम बंद कर दिया।

सम्पादकीय

संसद में गतिरोध के बीच जवाबदेही से क्यों बच रही सरकार? नीट विवाद पर विपक्ष के सवाल

पिछले कई दिनों से संसद में जिस तरह का गतिरोध कायम है, दोनों सदनों की बार-बार स्थगित करने की नौबत सामने आ रही है, उसका हल निकालने को लेकर औपचारिक बयानों के अलावा सरकार की ओर से कोई गंभीर कोशिश होती नहीं दिख रही है। सवाल यह है कि अगर एक ही मुद्दे, यानी नीट प्रश्नपत्र लोक पर विरोध जताने वाले प्रदर्शनकारियों के प्रति पुलिस के बेलगाम रवये पर विपक्षी दल जवाबदेही स्पष्ट करने की मांग कर रहे हैं, तो इससे किस तरह की आपत्ति हो सकती है। यह सही है कि प्रश्नपत्र लोक के मुद्दे पर विरोध का दायरा व्यापक होते जाने के बाद तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने आखिर इस्तीफा दिया। मगर इस मसले पर विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेने वाले विद्यार्थियों पर दिल्ली पुलिस ने जिस तरह बेहमी से लाठीचार्ज किया, बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं को चोट पहुंची, उसके लिए विपक्षी दल संसद में गृहमंत्री से जवाब की मांग कर रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि इस संदर्भ में सरकार की ओर से जिस तरह विपक्ष की इस मांग को प्रकरांतर से खारिज किया जा रहा है, वह साफ तौर पर जवाबदेही से बचने की ही कोशिश है!

यह स्थिति तब है, जब राज्यसभा के सभापति के रूप में उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने भी गुरुवार को संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजौजू से कहा कि वे गृहमंत्री को सदन में बुलाने के अनुरोध पर विचार करें। मगर इस संदर्भ में कोई सकारात्मक प्रतिक्रिया देने के बजाय विपक्षी सांसदों के प्रदर्शन को सरकार की ओर से झामा बताया गया। सवाल है कि इस तरह का रुख रखते हुए सरकार क्या



शुशील कुमार सिंह ध्यान सांवाद

यह दावा करने की स्थिति में है कि वह किसी भी मुद्दे पर उठे विवाद का हल संवाद या बातचीत के जरिए निकालने को तैयार है। कहने को किरेन रिजौजू ने परिसीमन के मुद्दे पर विपक्ष के नेता राहुल गांधी से बातचीत करके समर्थन मांगा, लेकिन वहां भी प्रस्तावित विधेयकों पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग पर सहमति नहीं बन पा रही है। सरकार अगर किसी भी मुद्दे पर विपक्षी दलों की उपेक्षा कर या उनकी राय को दरकिनार कर एकतरफा तौर पर अपनी मर्जी के मुताबिक कोई हल निकालने के बारे में सोच रही है, तो इसे कैसे देखा जाएगा? एक तरफ सरकार अपनी सुविधा से संवाद का स्वरूप तय करना चाहती है या फिर इसकी जरूरत को गैर-महत्वपूर्ण मानती है, दूसरी ओर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत स्पष्ट तौर पर बातचीत करने को ही प्राथमिक और लोकतंत्र का तकाजा मानते हैं। गौरतलब है कि मुंबई में नई पीढ़ी के बच्चों के साथ बातचीत के दौरान भागवत ने यह अहम टिप्पणी की कि जैन-जौ देश-विरोधी नहीं हैं और विरोध प्रदर्शन भी संवाद का वैध तरीका तथा लोकतंत्र में सहमति बनाने का एक जरिया है। इस क्रम में अलग-अलग विचार एक साथ आते हैं और चर्चा के बाद आम सहमति बनती है। इस समूचे मसले को इतनी स्पष्टता के साथ भावनाएं न जिस तरह देखा है, उसे लोकतंत्र का जीवन-तत्त्व माना जाना चाहिए। इसके बावजूद यह समझना मुश्किल है कि सरकार के भीतर इस मामले में एक विचित्र आग्रह क्यों दिखता है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि नीट प्रश्नपत्र लोक होने के मुद्दे पर विद्यार्थियों के विरोध प्रदर्शन के साथ एक अहम बिंदु यह उभरा है कि सरकार की किसी नीति पर सवाल उठाने पर आम जनता के खिलाफ सख्ती बरतने के बजाय जवाबदेही लेने, जवाब देने और संवाद करने से ही लोकतंत्र बचेगा।

शिवभक्तों की कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न करवाना बहुत बड़ी चुनौती!

दीपक कुमार त्यागी

हालांकि पुलिस-प्रशासन को इस वर्ष कांवड़ियों की संख्या में भारी इजाफा होने की उम्मीद है। ऐसी स्थिति में विशेषकर उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश के पुलिस-प्रशासन के ऊपर पर एक तरह तो कांवड़ियों के लिए विभिन्न आश्रयक व्यवस्था बनाने की चुनौती है, वहीं दूसरी तरफ चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था करने कि अहम जिम्मेदारी है।

देवाधिदेव भगवान महादेव के प्रिय श्रावण मास में मां गंगा के जल से अपने आराध्य भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक के लिए दिल्ली और आसपास स्थित विभिन्न राज्यों के शिवभक्तों का उत्तराखंड से कांवड़ लाने के लिए आम ताता लगाना शुरू हो गया है। इस बार तो कांवड़ यात्रा के शुरूआती दिनों में ही शिवभक्तों की भारी भीड़ सड़कों पर नजर आने लगी है। कांवड़ यात्रा के महेनजर ही उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों, दिल्ली, हरियाणा और राजस्थान आदि में शिवभक्तों की सुरक्षा के सिस्टम ने बेहद ही चाक-चौबंद व्यवस्था की है। शिवभक्तों के लिए रेलवे, परिवहन, विद्युत विभाग आदि ने भी विशेष तैयारियां की हैं। सिस्टम ने पवित्र श्रावण मास में देवाधिदेव भगवान महादेव के करोड़ों शिवभक्तों को शांतिपूर्ण व भक्तिमय वातावरण में सेकुशल कांवड़ यात्रा करवाने के लिए सुरक्षा, भोजन, पेयजल, चिकित्सा आदि व्यवस्था की बड़े पैमाने पर तैयारियां की है। कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न करवाने के लिए उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा व राजस्थान आदि का पुलिस-प्रशासन दिन-रात एक करके अपने पूरे दल-बल के साथ सड़कों पर उतरकर के धरातल पर व्यवस्था बनाने में जुटा हुआ है। हालांकि पुलिस-प्रशासन को इस वर्ष कांवड़ियों की संख्या में भारी इजाफा होने की उम्मीद है। ऐसी स्थिति में विशेषकर उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश के पुलिस-प्रशासन के ऊपर पर एक तरह तो कांवड़ियों के लिए विभिन्न आश्रयक व्यवस्था बनाने की चुनौती है, वहीं दूसरी तरफ चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था करने कि अहम जिम्मेदारी है। वैसे भी उत्तर प्रदेश में विधासभा के चुनाव का वर्ष होने के चलते वहां के सिस्टम के सामने भगवान शिव की भक्ति के वातावरण को बनाए रखने की बड़ी चुनौती खड़ी है। हालांकि यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देशों पर सिस्टम के द्वारा जिस तरह से उत्तर प्रदेश में शिवभक्त कांवड़ियों को सेवाभावी के साथ पलक-पांवड़े बिछाकर के स्वागत किया जाता है



और कांवड़ियों को किसी प्रकार की कोई असुविधा ना हो इसका विशेष ध्यान रखा जाता है, इस स्थिति ने पिछले कई सालों से शिवभक्त कांवड़ियों की संख्या में भारी इजाफा करने का कार्य कर दिया है। जिसके चलते कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए धरातल पर एक बेहद फुलपूफ व्यवस्था बनाते हुए चाक-चौबंद व्यवस्था करना चुनौती पूर्ण कार्य बन गया है। हर वर्ष की तरह ही कांवड़ यात्रा में पुलिस-प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह लाखों शिवभक्तों के बीच छिपे हुए चंद अराजकता फैलाने वाले हड़दंगियों व नशेड़ियों की कैसे पहचान करें। हालांकि उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के पुलिस-प्रशासन के पास भक्तों की भारी भीड़ को नियंत्रण करने व उनके लिए समुचित व्यवस्था करने का दशकों पुराना लंबा अनुभव है, जिस अनुभव के ही बलबूते पर ही इन राज्यों का सरकारी अमला हर वर्ष ऐसे मेलों में उत्पन्न विकट से भी कटित परिस्थितियों से भी आसानी से निपट लेता है। लेकिन इस बार तो शुरूआती दिनों से ही शिवभक्त कांवड़ियों की भारी भीड़ उमड़ती नजर आ रही है, बड़ी संख्या में ही कांवड़िए मां गंगा का दिव्य जल लेकर के अपने गंतव्य स्थल की तरफ वापस चल दिए और एक-एक दिन के साथ ही शिवभक्त कांवड़ियों की यह संख्या तेजी से बढ़ती जा रही है। वहीं उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में कुछ हड़दंगियों के द्वारा बवाल किये जाने की भी घटनाएं भी सामने आने लगी हैं। जिसके चलते ही उत्तराखंड व उत्तर प्रदेश में शुरूआती दौर के दिनों में ही कांवड़ यात्रा मार्ग के अधिकांश रास्तों पर ट्रैफिक डायवर्ट करते हुए बहुत सारी जगहों पर ट्रैफिक को वन-वे तक भी करना पड़ गया है, हालांकि ऐसा करने से लोगों को काफी असुविधा भी हो रही है, लेकिन पुलिस-प्रशासन के पास इसके अलावा कोई विकल्प अभी तो मौजूद नहीं है। वैसे भी हमारे प्यारे देश में जिस तरह का माहौल चल रहा है, उस स्थिति में शिवभक्त

गड्डों का नामकरण सामाजिक योजना

संतोष उत्सुक

दुनिया फिर बदल रही है और लड़ने मरने पर उतारू है। ऐसी स्थिति में कभी कभार किसी अन्य देश या व्यक्ति से कुछ सीखने में हर्ज नहीं है। पिछले दिनों खबर आई थी कि चंद्रमा से पृथ्वी पर लौट रहे अमुक मिशन के अन्तरिक्ष यात्रियों ने चांद की सतह के दो गड्डों पर नाम अपने प्रियजनों के नाम पर रखे का प्रस्ताव रखा है।

ऐसा माना जाता है कि सब एक दूसरे से सीखते हैं। बच्चे अपने अभिभावकों ,अध्यापकों और वरिष्ठों से सीखते हैं। यह भी माना जाता है कि उम्र में छोटें से भी

सीखा जा सकता है। विशाल देश, कम जनसंख्या वाले देश से भी प्रेरित हो सकते हैं। हमने भी इतनी बड़ी दुनिया से कुछ न कुछ सीखा है। कोई इस बात को माने या माने लेकिन दुनिया ने हमसे भी बहुत कुछ सीखा है। यह भी सब जानते हैं लेकिन कुछ लोग नहीं मानते कि संसार में हमारे ही सब कुछ सबसे पहले बताने और बनाया।

दुनिया फिर बदल रही है और लड़ने मरने पर उतारू है। ऐसी स्थिति में कभी कभार किसी अन्य देश या व्यक्ति से कुछ सीखने में हर्ज नहीं है। पिछले दिनों खबर आई थी कि चंद्रमा से पृथ्वी पर लौट रहे अमुक मिशन के अन्तरिक्ष यात्रियों ने चांद की सतह के दो गड्डों के नाम अपने प्रियजनों के नाम पर रखने का

भारत की आत्मा एवं प्रकृति के संरक्षक हैं आदिवासी

विश्व आदिवासी दिवस (9 अगस्त 2026) पर विशेष

ललित गर्ग

विश्व आदिवासी दिवस केवल एक अंतर्राष्ट्रीय आयोजनभर नहीं है, बल्कि यह उस मूल चेतना का अभिनंदन है जिसने मानव सभ्यता को प्रकृति के साथ संतुलित जीवन जीने की कला सिखाई। भारत के आदिवासी समुदाय केवल जनसंख्या का एक वर्ग नहीं हैं, बल्कि वे इस राष्ट्र की सांस्कृतिक स्मृति, पर्यावरणीय संतुलन, आध्यात्मिक संवेदना और स्वाधीनता चेतना के जीवंत प्रतिनिधि हैं। यदि विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और विश्वगुरु भारत की संकल्पना को वास्तविक अर्थ में साकार करना है, तो आदिवासी समाज को विकास का विषय नहीं, बल्कि विकास का सहभागी और नेतृत्वकर्ता बनाना होगा। भारत की विकास यात्रा तब तक पूर्ण नहीं कही जा सकती जब तक जल, जंगल और जमीन से जुड़ा वह समाज, जिसने हजारों वर्षों से प्रकृति की रक्षा की है, सम्मान और समान अवसर के साथ राष्ट्रीय प्रगति का अभिन्न भाग न बने। आदिवासी समाज ने कभी प्रकृति का दोहन नहीं किया, बल्कि उसका संरक्षण किया। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण संकट और जैव विविधता के संरक्षण की चिंता कर रही है, तब आदिवासी जीवन-दर्शन आधुनिक विश्व के लिए एक वैकल्पिक विकास मॉडल प्रस्तुत करता है।

आदिवासी प्रकृति के पुत्र और संस्कृति के प्रहरी है। जो प्रकृति से जुड़ा है, वही मनुष्यत्व का संरक्षक है-यह वाक्य आदिवासी समाज पर अक्षरशः लागू होता है। आदिवासी शब्द मात्र एक सामाजिक पहचान नहीं, बल्कि एक दर्शन है, सहजता, सामूहिकता, संतुलन और सह-अस्तित्व का दर्शन। करीब 90 प्रतिशत खनिज सम्पदा, वनोषधियां और जैव विविधता इन्हीं के क्षेत्रों में विद्यमान है। उनका जीवन सभ्यता के केंद्र से नहीं, बल्कि संवेदना के मूल से संचालित होता है। वे भले ही वनवासी कहलाए गए, परंतु उनका जीवनदर्शन हमें शहरीकरण के आडंबर से बाहर निकालकर स्वाभाविक जीवन की राह दिखाता है। ए। भारत में विकास का पर्याय यदि केवल बहुराष्ट्रीय निवेश, चकाचौंध और स्मार्ट सिटी बन गया है, तो आदिवासी समाज उसके विस्थापित मूल्य हैं। जल-जंगल जमीन के नाम पर किए गए सौदे, खनिज



आदिवासी प्रकृति के पुत्र और संस्कृति के प्रहरी है। जो प्रकृति से जुड़ा है, वही मनुष्यत्व का संरक्षक है-यह वाक्य आदिवासी समाज पर अक्षरशः लागू होता है। आदिवासी शब्द मात्र एक सामाजिक पहचान नहीं, बल्कि एक दर्शन है, सहजता, सामूहिकता, संतुलन और सह-अस्तित्व का दर्शन। करीब 90 प्रतिशत खनिज सम्पदा, वनोषधियां और जैव विविधता इन्हीं के क्षेत्रों में विद्यमान है। उनका जीवन सभ्यता के केंद्र से नहीं, बल्कि संवेदना के मूल से संचालित होता है। वे भले ही वनवासी कहलाए गए, परंतु उनका जीवनदर्शन हमें शहरीकरण के आडंबर से बाहर निकालकर स्वाभाविक जीवन की राह दिखाता है। ए। भारत में विकास का पर्याय यदि केवल बहुराष्ट्रीय निवेश, चकाचौंध और स्मार्ट सिटी बन गया है, तो आदिवासी समाज उसके विस्थापित मूल्य हैं।

लुट, धार्मिक कन्वर्जन, सांस्कृतिक विघटन और जबर्न भूमि अधिग्रहण की घटनाएं केवल उनकी आर्थिक दशा ही नहीं बिगाड़ती, बल्कि उनकी पहचान, भाषा और परंपरा को भी निगलती जा रही हैं। आज आदिवासी समाज ऋण, अशिक्षा, पलायन, अस्वास्थ्यकर जीवन, बेरोजगारी जैसी समस्याओं से ग्रस्त है। तथाकथित विकास ने उन्हें पराया बना दिया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस परायेपन का दूर करने के लिये पिछले वर्षों में जनजातीय समाज के सम्मान और सशक्तीकरण को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं में स्थान दिया है। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय हो, जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, डिजिटल कनेक्टिविटी और कौशल विकास को योजनाओं का विस्तार हो, एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों का व्यापक विस्तार हो, अथवा प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन जैसी पहलें-इन सबने यह स्पष्ट किया है कि नए भारत की विकासधारा में आदिवासी समाज को केंद्र में

विचार

भारत की आत्मा एवं प्रकृति के संरक्षक हैं आदिवासी

यात्रा का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभरा। वर्ष 2007 में आयोजित विशाल आदिवासी सम्मेलन भारतीय सामाजिक इतिहास की एक स्मरणीय घटना सिद्ध हुआ। लाखों की संख्या में उपस्थित आदिवासी समाज का उत्साह, अनुशासन और आत्मविश्वास यह प्रमाणित कर रहा था कि यदि सही नेतृत्व और विश्वास मिले तो जनजातीय समाज राष्ट्र की सबसे बड़ी सकारात्मक शक्ति बन सकता है। उस ऐतिहासिक सम्मेलन में तत्कालीन गुजरात के मुख्यमंत्री और वर्तमान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति ने इस आयोजन को नई ऊंचाई प्रदान की। विशाल जनसमुदाय को देखकर उनके मन में जो प्रसन्नता और आत्मीयता दिखाई दी, वह केवल एक राजनीतिक क्षण नहीं था, बल्कि जनजातीय चेतना के प्रति उनके विश्वास का सार्वजनिक प्रकटीकरण था। उसी मंच से उन्होंने सुखी परिवार फाउंडेशन को एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय के संचालन का दायित्व सौंपा। साथ ही जनजातीय विकास के लिए लगभग 15,000 करोड़ रुपये की वनबंधु योजना सहित अनेक महत्वपूर्ण घोषणाएं की गईं। यह सम्मेलन केवल योजनाओं की घोषणा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि जनजातीय विकास की राष्ट्रीय दिशा निर्धारित करने वाला प्रेरक अवसर सिद्ध हुआ।

गणि राजेन्द्र विजयजी के प्रभावी नेतृत्व, समाज के प्रति समर्पण और जनजातीय क्षेत्रों में किए गए रचनात्मक कार्यों ने इस सम्मेलन को एक ऐतिहासिक आयाम दिया। उस मंच से उठी सेवा, संस्कार और समरसता की भावना ने जनजातीय समाज और शासन के बीच विश्वास का एक नया सेतु निर्मित किया। अनेक लोगों की दृष्टि में यह सम्मेलन उस सकारात्मक सामाजिक वातावरण का भी प्रतीक बना, जिसने आगे चलकर नरेन्द्र मोदी के राष्ट्रीय नेतृत्व के लिए व्यापक जनविजयजी ने इसी दिशा में पिछले दो-तीन दशकों में जो कार्य किया है, वह केवल सामाजिक सेवा नहीं, बल्कि जनजातीय पुनर्जागरण का एक व्यापक अभियान है। उन्होंने आदिवासी समाज को दया का पात्र नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण की शक्ति माना। शिक्षा, स्वास्थ्य, नशामुक्ति, आत्मनिर्भरता, सांस्कृतिक संरक्षण, महिला सशक्तीकरण और नैतिक जागरण जैसे अनेक क्षेत्रों में उनके नेतृत्व में जो कार्य हुए, उन्होंने हजारों परिवारों के जीवन में नई आशा का संचार किया। मेरा सौभाग्य है कि मैं प्रारंभ से ही उनके मिशन से जुड़ा रहा हूं। सुखी परिवार फाउंडेशन इस जनजागरण

जीवन का अनुकरणीय मॉडल है और सबसे बढ़कर मानवीय संवेदनाओं से भरा जीवन-दर्शन है। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल तकनीक, ड्रोन, जैव प्रौद्योगिकी और वैश्विक नवाचार के युग में आवश्यकता इस बात की है कि आदिवासी समाज को इन आधुनिक साधनों से जोड़ा जाए, किंतु उनकी सांस्कृतिक पहचान सुरक्षित रहे। उनकी भाषाओं का डिजिटलीकरण, लोक परंपराओं का दस्तावेजीकरण, वन उत्पादों का वैश्विक विपणन, स्थानीय उद्यमिता का विकास, डिजिटल शिक्षा और टेलीमेडिसिन जैसी व्यवस्थाएं उन्हे आधुनिकता से जोड़ते हुए उनकी अस्मिता को भी सुरक्षित रख सकती हैं। इतिहास साक्षी है कि भारत की स्वतंत्रता की पहली ज्वालाएं जंगलों और पहाड़ों से ही उठी थीं। बिरसा मुंडा, सिद्धू-कान्हू, रानी दुर्गावती, कोमराम भीम, गांधी गुरु और अरसंख जनजातीय वीरों ने राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण न्योछावर किए। दुर्भाग्य से मुख्यधारा के इतिहास में उन्हें वह स्थान नहीं मिला जिसके वे अधिकारी थे। आज आवश्यकता केवल उनके स्मरण की नहीं, बल्कि उनके जीवन-मूल्यों को राष्ट्रीय चरित्र का हिस्सा बनाने की है।

विश्व आदिवासी दिवस हमें यह संदेश देता है कि विकास का वास्तविक अर्थ केवल ऊंची इमारतें, स्मार्ट शहर और औद्योगिक निवेश नहीं है। विकास का अर्थ है-मानव गरिमा, सांस्कृतिक सम्मान, सामाजिक न्याय और प्रकृति के साथ संतुलित जीवन। आदिवासी समाज इन सभी मूल्यों का जीवंत प्रतीक है। आज जब भारत अमृतकाल में प्रवेश कर रहा है, तब यह स्मरण रखना आवश्यक है कि भारत की आत्मा महानारों की चमक में नहीं, बल्कि उन वनों, पर्वतों और जनजातीय बस्तियों में भी धड़कती है, जहां प्रकृति आज भी संस्कृति का उत्सव मनाती है। विकसित भारत का भविष्य तभी उज्ज्वल होगा, जब आदिवासी समाज केवल योजनाओं का लाभार्थी नहीं, बल्कि राष्ट्र के नेतृत्व, नीति-निर्माण और विकास का सक्रिय भागीदार बने। विश्व आदिवासी दिवस पर हमारा संकल्प बने कि आदिवासी समाज की संस्कृति का संरक्षण होगा, उनकी भाषाओं का संवर्धन होगा, उनके अधिकारों की रक्षा होगी, उनकी प्रतिभा को राष्ट्रीय मंच मिलेगा और उनके जीवन-दर्शन से प्रेरणा लेकर विश्व को संतुलित, समावेशी और मानवीय विकास का मार्ग दिखाएगा। यही विकसित भारत की वास्तविक पहचान होगी और यही विश्वगुरु भारत की सबसे मजबूत नींव होगी।

लघुकथा

बुद्धिमान



उमाकांत भारती

एक गांव में एक गरीब ब्राह्मण परिवार रहता था। पंडितजी, पंडिताइन और उनकी इकलौती संतान बाराह साल की पुत्री के अलावा उनके परिवार में और कोई नहीं था। जब तक पंडितजी जिंदा रहे, उन्होंने कथा-पराण बांचकर अपनी गृहस्थी की गाड़ी चलीसी। उनकी मृत्यु के बाद उनकी अघेड़ उम्र की पत्नी ने शोक और अभाववश खाट पकड़ ली और वही भी एक दिन नहीं रही। उनकी पुत्री पर वज्रधात-सा हुआ। रोते-रोते उसकी आंखें धुन गईं। पास पड़ोस की औरतों में से कोई कहती- पंडिताइन जिंदा है और कोई कहती मर गई है। ब्राह्मण कन्या बड़ी ललझन में पड़ी। उसने पड़ोस के एक बुद्धिमान व्यक्ति के घर जाकर रोते-बिलखते हुए कहा-चाचाजी, चलकर आप देखिए न! बुद्धिमान व्यक्ति ने कहा, बेटी तुम्हारी मां ताजिंदगी मुझसे पर्दा करती रहें। मैंने उनका मुंह कभी नहीं देखा। अब यह पाप भला कैसे कर सकता हूं। उन्होंने धुनी हुई थोड़ी-सी रूत-ब्राह्मण कन्या के हाथ में देकर कहा- अपनी मां के नाक के छिद्र के पास इसे रखना, यदि रई हिले तो समझना कि ससों चल रही हैं। उदास लड़की को जाने के बाद पड़ो ने आड़े हाथों लिया- बड़े पाखंडी हैं आप! मेरे का मुंह देखने में कैसा अर्थम? बुद्धिमान व्यक्ति ने अपने मन की बात बताने के लिए नही लगेगा, लेकिन वहां जाने पर पंडिताइन ने लिए कफन वगैरह का इंतजाम मुझे ही करना पड़ता!



प्रस्ताव रखा है। यह एक नितांत नवोन्मेधी विचार है जो हमारे उपजाऊ दिमागों में कभी नहीं आया यह बात दिमाग के कि हम चंदा को मामाजी मानते हैं।

उन्के यहां और हमारे यहां भी असंख्य गड्डे हैं। पुराने, नए, गहरे, लम्बे, चौड़े, सड़क के हर हिस्से में हैं। गड्डों के मोहल्लों में अनेक लोगों की हड्डियां टूटती हैं। बहस होती है,

खबरें छपती हैं, रंगीन फोटोज भी छपती हैं। नगर पालिका को ऐसी हरकतें पसंद नहीं आती इसलिए गड्डों को ईट, रोड़े और मिट्टी से भर दिया जाता है।

उन अन्तरिक्ष यात्रियों से प्रेरणा लेकर अपने गड्डों की नामकरण योजना शुरू की जा सकती है। जिसे भावनात्मक कोण दिया जा सकता है। कुछ समय बाद राजनीतिक

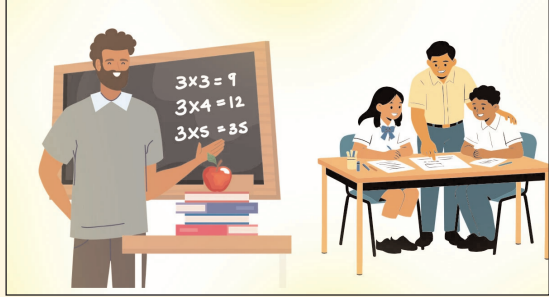
दृष्टिकोण भी दे सकते हैं। थोड़ी कोशिश की जाए तो गड्डों को धार्मिक रंग में भी डुबो सकते हैं। इच्छुक नागरिक पसंदीदाह गड्डे को अपना बनाकर प्रिय नाम दे सकते हैं। इस तरह नागरिकों की भावनाएं ज्यादा फलफूल कर संतुष्ट हो सकती हैं। वैसे तो गड्डे स्पीड ब्रेकर की तरह काम करते हैं लेकिन समाज सेवी संस्थाएं, आधा दर्जन गड्डे भरवाकर, सड़क किनारे अपनी संस्था का आकर्षक विज्ञापन पट्ट लगा सकते हैं। सफल वैवाहिक जीवन बिताने वाले हर साल एक बड़ा गड्डा भरवाकर ज़रन मना सकते हैं। गड्डे जैसे दिखने वाले गड्डों में, वास्तव में नालायक लेकिन खुद को लायक मानने वाले नेता से वृक्षारोपण समारोह का उद्घाटन करवाकर क्षेत्र में हरियाली बढ़ाई जा सकती है। खेत बनाने वालों को नया विषय मिल सकता है। गड्डे के

नामकरण से प्रेरित खबर लिखने वाले बेहतर लिखने की प्रेरणा ले सकते हैं। संभव है वह दिन आए जब अमुक खास गड्डे का नामकरण, अपनी पसंद का करवाने वालों में होइ मंच जाए।

विचार, इनकार, इकरार और तकरार हो। कुछ गड्डों की किस्मत अच्छी होती है जिनका जिक्र मुख्यमंत्री तक पहुंचता है और उनकी गोद भरई की रस्म शुरू हो जाती है। समझदार स्थानीय प्रशासन संदर्भित सामाजिक सेवाओं के बदले, गड्डे के स्थान, आकार और प्रकार के आधार पर मनमाने पैसे वक़ूल कर सकती है। इससे गरीब नगरपालिकाओं को नियमित आमदनी हो सकती है जिनसे वह दूसरे मन भी करवा सकती है। अब आप ही बताइए, गड्डों का नामकरण सामाजिक योजना बढ़िया रहेगी न।

कहानी

गुरु का उचित न्याय



संतोष उत्सुक

एक दिन की घटना है उस समय गणित का पीरियड चल रहा था, गुरुजी द्वारा कई बार समझाने और बार बार खुद कोशिश करने के बावजूद भी एक विद्यार्थी सवाल हल नहीं कर पा रहा था। इतफाक से उस दिन अध्यापक का मूड भी कुछ ठीक नहीं था, शायद इसलिए उन्हें उस विद्यार्थी पर गुस्सा आ गया। यह उस समय की बात है जब पढ़ाई में कमजोर विद्यार्थियों को उनके शिक्षक घर बुलाकर या विद्यालय में ही समय निकाल कर अलग से पढ़ाया करते थे। उन विद्यार्थियों से कोई टयूशन फीस भी नहीं ली जाती थी। उन दिनों स्कूल में बच्चों की पिटाई भी होती थी मगर माता पिता को कोई खबर नहीं दी जाती थी। किसी तरह बात अगर घर तक पहुंचे भी जाती तो कितनी ही बार अभिभावक खुद स्कूल जाकर अध्यापक का धन्यवाद करते थे। गलती करने पर विद्यार्थियों को घर पर अलग से डांट पड़ती थी। एक दिन की घटना है उस समय गणित का पीरियड चल रहा था, गुरुजी द्वारा कई बार समझाने और बार बार खुद कोशिश करने के बावजूद भी एक विद्यार्थी सवाल हल नहीं कर पा रहा था। इतफाक से उस दिन अध्यापक का मूड भी कुछ ठीक नहीं था, शायद इसलिए उन्हें उस विद्यार्थी पर गुस्सा आ गया। उसी कक्षा खत्म होने के बाद गुरुजी छुट्टी होनी थी जिसमें सभी ने मिल बैठकर खाना खाना था। गुरुजी ने यह फैसला लेते हुए कि उस विद्यार्थी की पिटाई करनी है क्लास मॉनीटर से कहा, मॉनीटर जाओ एक डंडा लेकर आओ, आज मैं उसकी खबर लेता हूं। मॉनीटर डंडा लेने कक्षा से बाहर गया और जल्दी से एक गुरुजी का छोटा सा कफन लाकर आया और बोला, लॉजिए लड़की। शिक्षक को लकड़ी का टुकड़ा देखते ही गुस्सा आ गया, इससे कहीं सजा मिलती है, देखो मैं तुमको ही लगाता हूं यह कहते हुए उन्होंने वह डंडा मॉनीटर की ही लगा दिया और बोले, जाओ जाकर दूसरा डंडा लेकर आओ। मॉनीटर फिर भागा डंडा लेने के लिए, उसे थोड़ा समय लग गया और इस बार पुराने स्टूल की टूटी हुई टांग ले आया। उसे लगा इस बार बढिया डंडा लाते के लिए गुरुजी उसे शाबाशी देंगे लेकिन जैसे ही मोटी लकड़ी को अध्यापक ने हाथ में पकड़ा उनका गुस्सा बढ़ गया और मॉनीटर की टांग पर लगभग जोर से मारने का अभिनय करते हुए बोले, मॉनीटर, क्या तुम इसके दुश्मन हो जो इतना मोटा डंडा लाए हो। अब मॉनीटर घबरा गया उसे लगा अब पिटने की उसकी बारी है। गुरुजी ने वह लकड़ी मेज पर रख दी और कुछ क्षणों के लिए मौन रहने के बाद बोले, बच्चे, आपने देखा जब मॉनीटर पल्ला डंडा लाया तब भी उसे डांट पड़ी और जब ज्यादा मोटा लाया तब भी, मेरा आशय किसी विद्यार्थी को पीटना नहीं था बल्कि समझाना कि गलती करने वाले को उचित सजा मिले, न कम न ज्यादा। उन्होंने उस विद्यार्थी से कहा कि वह घर जाकर अभ्यास करे और यदि उसे फिर भी समझ न आए तो रोजाना पढ़ने के लिए, छुट्टी के बाद उनके घर आ जाया करे। अध्यापक ने पूरी क्लास को संबोधित करते हुए कहा कि जिस बच्चे को भी गणित पढ़ाने में कुछ समझ न आ रहा हो वह भी आ सकता है। खाना खाने की छुट्टी की घंटी बज चुकी थी, वह बच्चा जिससे सवाल हल नहीं हो रहा था वह पिटाई से बच गया लेकिन उस और पूरी कक्षा को शिक्षा मिली। खाना खाते समय सब यही बात कर रहे थे कि यदि गुरुजी चाहते तो सजा दे सकते थे लेकिन उन्होंने बिना ऐसा किए मॉनीटर समेत सभी विद्यार्थियों को अच्छे से समझा दिया।

आटे में मिलाया जा रहा था टेलकम पाउडर, मैनपुरी में अवैध मिल पर छापा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। मैनपुरी में खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावट के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। ज्योति खुड़िया में बिना अनुमति चल रही आटा निर्माण इकाई में आटे में टेलकम पाउडर मिलाए जाने का मामला सामने आया है। टीम ने छापेमारी कर करीब 2150 किलो टेलकम पाउडर और 50 किलो आटा बरामद किया। मिल को तत्काल बंद करा दिया गया है। संचालक के खिलाफ औछा थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। खाद्य विभाग की यह कार्रवाई फिरोजाबाद में मिलावटी आटे के कारोबार को लेकर हुए भास्कर इन्वेस्टिगेशन के खुलासे के कुछ दिन बाद हुई है। विभाग ने बरामद आटा और टेलकम पाउडर के नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे हैं। हालांकि, विभागीय टीम के मुताबिक मौके पर आटे में टेलकम पाउडर मिलाए जाने की स्थिति मिली। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन और जिलाधिकारी मैनपुरी के निर्देश पर सहायक आयुक्त खाद्य



द्वितीय डॉ. श्वेता सैनी के निर्देशन में टीम ने कार्रवाई की। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी ए.के. पाठक के नेतृत्व में टीम ज्योति खुड़िया स्थित आटा निर्माण इकाई पहुंची। जांच के दौरान सामने आया कि अजीत कुमार पुत्र नरेंद्र कुमार इस इकाई का संचालन कर रहे थे। टीम ने वहां कार्रवाई कर 43 बोरी टेलकम पाउडर बरामद किया। इसका कुल वजन लगभग 2150 किलो और अनुमानित कीमत 32,250 रुपए बताई गई है। इसके अलावा करीब 50 किलो आटा भी जब्त किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने आटा और टेलकम पाउडर के नमूने

लिए और उन्हें प्रयोगशाला जांच के लिए भेज दिया। जब सामग्री को नियमानुसार विक्रेता की अभिरक्षा में सौंप दिया गया है। जांच में इकाई के बिना अनुमति संचालित होने की बात भी सामने आई। इसके बाद खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिल को मौके पर ही बंद करा दिया। संचालक अजीत कुमार के खिलाफ औछा थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। छापेमारी टीम में मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी ए.के. पाठक के अलावा खाद्य सुरक्षा अधिकारी ब्रजेंद्र कुमार और इंद्रजीत सिंह तथा ज्योति पुलिस चौकी का पुलिस बल शामिल रहा।

महिला से मारपीट और गला दबाकर जान से मारने के प्रयास का आरोप, पति समेत तीन के खिलाफ मुकदमा

मोर्निंग सिटी संवाददाता

एटा। थाना सकौट क्षेत्र के अंगदपुर गांव में एक महिला ने अपने पति समेत ससुराल के तीन लोगों पर गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में अभियोग दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना छह अगस्त की रात की बताई गई है।अंगदपुर निवासी नारायण देवी पत्नी जयवंत सिंह ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि छह अगस्त की रात उसके पति जयवंत सिंह, ससुर बहादुर सिंह पुत्र नाथुराम तथा रूबी पत्नी बहादुर सिंह उसके पास आए। आरोप है कि तीनों ने गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। महिला के अनुसार आरोपितों ने लात-घुंसें तथा लाठी-डंडों से उसकी पीठिाई की पीड़िता का आरोप है कि मारपीट के दौरान उसने बचने के लिए शोर मचाया तो आरोपितों ने उसके गले में दुपट्टा डालकर उसे जमीन पर खींचने का प्रयास किया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि इस दौरान उसे धमकाते हुए कहा गया कि अधिक कर से खींचने पर उसकी जान जा सकती है।महिला ने बताया कि घटना के समय उसकी बहन नेमा देवी पत्नी संजय कुमार निवासी साहयपुर कला, थाना जसरा, फिरोजाबाद तथा उसकी मां शीला देवी पत्नी प्रेमसिंह निवासी भदोरा, थाना भोगांव, मैनपुरी भी घर पर मौजूद थीं।उसके वीरूध्ते-विल्लाने की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और बीच-बचाव कर महिला, उसकी मां तथा बहन को बचाया। घटना के बाद पीड़िता ने पुलिस से आरोपितों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की।

11 वर्षीय बालक को मारपीट के बाद कब्रिस्तान तक घसीटने का आरोप, मुकदमा दर्ज

मोर्निंग सिटी संवाददाता

अलीगंज/एटा। थाना जसरथपुर क्षेत्र के गैसिंहपुर गांव में 11 वर्षीय बालक के साथ मारपीट कर उसे कथित रूप से कब्रिस्तान तक घसीटकर ले जाने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। बालक के सिर में घूंसा मारने, उसके साथ मारपीट करने तथा गला दबाने का प्रयास किए जाने का आरोप लगाया गया है। घटना के बाद घायल बालक का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अलीगंज में चिकित्सीय परीक्षण कराया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।गैसिंहपुर निवासी अरमान खान ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि सात अगस्त को उनका 11 वर्षीय पुत्र रिहान घर से खाने-पैने का सामान लेने जा रहा था।

आरोप है कि प्राथमिक विद्यालय गैसिंहपुर के समीप अयान पुत्र आफाक खान और कमल हसन पुत्र कल्लू खान मोटरसाइकिल से पीछे से आए और रिहान के सिर में घूंसा मार दिया। अचानक हुए हमले से बालक घबरा गया। आरोप है कि विरोध करने पर दोनों उसे कब्रिस्तान की ओर घसीटकर ले गए।तहरीर के



अनुसार, कब्रिस्तान में ले जाकर बालक के साथ मारपीट की गई तथा उसका गला दबाने का प्रयास किया गया। चोट और भय के कारण रिहान चीख-पुकार करने लगा। उसकी आवाज सुनकर ग्रामीण मौके की ओर लड़े। ग्रामीणों को आता देख आरोपी कथित रूप से बालक को छोड़कर वहां से भाग गए। जाते समय गाली-गलौज करने और जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है।परिजनों का कहना है कि घटना के बाद बालक बुरी तरह सहम गया था और उसने अगले दिन अपने परिजनों को घटना की जानकारी दी। तहरीर में कुछ अन्य लोगों पर बालक की निगरानी करने तथा घटनास्थल के आसपास मौजूद रहकर आरोपियों का

सहयोग करने का आरोप भी लगाया गया है। पिता के अनुसार, ईदगाह की चहारदीवारी पर अरवाज पुत्र दिलशाद खान तथा विद्यालय की छत पर युजूमिल पुत्र नौशाद खान मौजूद थे और कथित रूप से बालक पर नजर रख रहे थे। पुलिस इन आरोपों की भी जांच कर रही है।बालक की चीख-पुकार सुनकर अमन खान, हसीम खान, असद खान और नदीम खान मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों के पहुंचने पर आरोपी कथित रूप से वहां से फरार हो गए। घटना के बाद परिजन घायल रिहान को लेकर थाने पहुंचे और कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने बालक को चिकित्सीय परीक्षण के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अलीगंज भेजा, जहां उसका मेडिकल कराया गया।पीड़ित पिता की तहरीर के आधार पर पुलिस ने आरोपितों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मामले के विवेचना की जा रही है और मेडिकल रिपोर्ट तथा जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रभारी निरीक्षक सुबोध कुमार उपाध्याय ने बताया कि बालक का चिकित्सीय परीक्षण कराया गया है।

शिवपाल बोले- पेपर लीक में भाजपा से जुड़े लोग शामिल: छात्रों ने दिल्ली में सरकार के अहंकार को खत्म करने का काम किया

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय भावसचिव शिवपाल सिंह यादव ने शनिवार को एक शोकसभा में भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने पेपर लीक, बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, ई-20 फ्यूल, एक्सप्रेसवे की गुणवत्ता और अमेरिका के बड़े टैरिफ समेत कई मुद्दों पर सरकार को घेरा। शिवपाल यादव समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष वोट सिंड यादव की मां के निधन के बाद आयोजित शोकसभा में पहुंचे थे।

शिवपाल यादव ने पेपर लीक मामले में उम्रकैद तक की सजा के प्रावधान वाले नए कानून का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि पेपर लीक करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में लगातार पेपर लीक हो रहे



हैं और इसमें भाजपा से जुड़े लोग भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पहले इतने बड़े स्तर पर पेपर लीक की घटनाएं नहीं होती थीं।

शिवपाल यादव ने विधानसभा सत्र की अवधि को लेकर भी सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी, महंगाई और भ्रष्टाचार जैसे गंभीर मुद्दे हैं, लेकिन विधानसभा का सत्र पर्याप्त समय तक नहीं चलाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा

फिरोजाबाद के बाद मैनपुरी में भी मिलावट का खुलासा

मिलावटी आटे के खिलाफ विभाग की यह कार्रवाई ऐसे समय हुई है, जब हाल ही में फिरोजाबाद में आटे में मिलावट के कारोबार को लेकर भास्कर इन्वेस्टिगेशन में मामला सामने आया था। इसके बाद खाद्य सुरक्षा विभाग ने मैनपुरी में भी अभियान तेज कर दिया है। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय डॉ. श्वेता सैनी ने कहा कि खाद्य पदार्थों में मिलावट करने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि खाद्य गुणवत्ता से समझौता करने वालों के खिलाफ नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

घरेलू जांच से सिर्फ मिलावट का अंदाजा, पुष्टि लैब में होगी

खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह ने उपभोक्ताओं को आटा खरीदते और इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि घर पर कुछ प्राथमिक तरीकों से आटे की गुणवत्ता को लेकर संदेह किया जा सकता है। नींबू की कुछ बुँदें डालने पर असामान्य बुलबुले दिखना, पानी में आटा मिलाने पर असामान्य व्यवहार या हथेली पर रगड़ने पर अत्यधिक चिकनाहट जैसे संकेत संदेह पैदा कर सकते हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि घरेलू परीक्षण मिलावट का अंतिम प्रमाण नहीं है। किसी खाद्य पदार्थ में मिलावट की पुष्टि प्रयोगशाला जांच से ही हो सकती है।

खनिज पाउडर शरीर में जाने से सेहत पर असर का खतरा

सीनियर मेडिकल ऑफिसर डॉ. आनंद किशोर के अनुसार, सेलखड़ी जैसे खनिज पदार्थ लंबे समय तक शरीर में पहुंचने से पेट संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। इससे पेट दर्द, अपच और आंतों में रुकावट जैसी दिक्कतों का खतरा बताया गया है। बारीक कणों के शरीर में जमा होने से गुर्दे में पथरी की आशंका भी बढ़ सकती है। उन्होंने लोगों से सदिग्ध या असामान्य आटा इस्तेमाल नहीं करने और खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर सतर्क रहने की अपील की है। फिलहाल जब नमूनों की प्रयोगशाला रिपोर्ट आने के बाद ही मिलावट की प्रकृति और आगे की कानूनी कार्रवाई की स्थिति स्पष्ट होगी।

हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए डीएम ने दिए व्यापक जनभागीदारी के निर्देश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

एटा। शासन के निदेशों के क्रम में जनपद में हर घर तिरंगा अभियान-2026 को सफल बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अरविन्द सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 09 से 15 अगस्त 2026 तक आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों तथा विभागीयार सौंपे गए दायित्वों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी अरविन्द सिंह ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता, अखंडता और जनभागीदारी को भावना से जुड़ा महत्वपूर्ण अभियान है। शासन की मंशा के अनुरूप जनपद एटा में इस वर्ष चार लाख तिरंगे फहराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने-अपने विभाग के आर्वाटिट लक्ष्य एवं



दायित्वों का पूरी निष्ठा, सक्रियता और समयबद्धता के साथ निर्वहन करते हुए अभियान को सफल बनाएं।उन्होंने कहा कि

अभियान के दौरान सरकारी एवं निजी भवनों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, कार्यालयों तथा प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर राष्ट्रीय

ध्वज फहराया जाए। इसके साथ ही आमजन को भी अपने-अपने घरों पर तिरंगा लगाने के लिए प्रेरित किया जाए। अभियान में विद्यार्थियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, जनप्रतिनिधियों, व्यापारिक संगठनों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।बैठक में शासन द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए बताया गया कि अभियान के अंतर्गत 06 से 08 अगस्त तक प्रथम चरण, 09 से 12 अगस्त तक द्वितीय चरण तथा 13 से 15 अगस्त तक तृतीय चरण में विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इस दौरान तिरंगा यात्रा, प्रभात फेरी, सांस्कृतिक एवं देशभक्ति कार्यक्रम, तिरंगा वितरण तथा जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके साथ ही हृदयभाजन विभीषिका स्मृति दिवसह के अवसर पर भी शासन द्वारा निर्धारित कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।जिलाधिकारी ने अधिकारियों को

निर्देश दिए कि राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा, सम्मान एवं मयार्दा का विशेष रूप से ध्यान रखा जाए। अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले सभी कार्यक्रमों की प्रभावी निगरानी करते हुए निर्धारित लक्ष्य की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने व्यापक प्रचार-प्रसार के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को अभियान से जोड़ने तथा जनपद में राष्ट्रभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता का वातावरण सुदृढ़ करने पर भी जोर दिया।बैठक में मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र प्रसाद मिश्र, अपर जिलाधिकारी प्रशासन संगम लाल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. राजेंद्र प्रसाद, डीसी एनआरएलएएम विकास कुमार, जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार, क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी अनुपम श्रीवास्तव, बेसिक शिक्षा अधिकारी अनुपम अवस्थी, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी प्रदीप कुमार सहित समस्त संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

नशे के विरुद्ध नुक्कड़ नाटकों से दिया जागरूकता का संदेश

मोर्निंग सिटी संवाददाता

एटा। नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत शनिवार को वीरांगना अवनीबाई लोधी स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय, एटा में नशे के विरुद्ध व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. बलवीर सिंह के निर्देशन में सामुदायिक चिकित्सा विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में नशामुक्ति के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने तथा समाज को नशीले पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना हा। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. मनोज कुमार की अध्यक्षता में किया गया। अभियान के अंतर्गत माहहरा एवं सिरांव गांवों के तीन अलग-अलग क्षेत्रों में नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया गया। इनमें एमबीबीएस 2023 बैच के विद्यार्थियों, स्नातकोत्तर (पीजी) रेजिडेंट चिकित्सकों तथा संकाय



सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता की।नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं आर्थिक दुष्प्रभावों को प्रभावशाली संवादों, नारों और संदेशों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। कलाकारों ने ग्रामीणों को नशीले पदार्थों से दूर रहने, युवाओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति सजग करने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। ग्रामीणों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए नशामुक्ति के संदेश का समर्थन किया।इसी क्रम

में महाविद्यालय के व्याख्यान कक्ष में नशामुक्त भारत विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने नशीले पदार्थों के दुष्प्रभाव, युवाओं पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव, नशे की रोकथाम में परिवार एवं समाज की भूमिका तथा नशामुक्ति के क्षेत्र में चिकित्सकों के दायित्व पर अपने विचार प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता के उपरांत उन्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को विजेता घोषित किया गया।कार्यक्रम में डॉ. प्रगति गौतम, डॉ. अनुप्रिया माने, डॉ. मनीष, डॉ. सरराज, डॉ. सुमित, डॉ. मधु एवं डॉ. चेतन सहित सामुदायिक चिकित्सा विभाग के अन्य संकाय सदस्य, स्नातकोत्तर रेजिडेंट चिकित्सक तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे।इस अवसर पर संकाय सदस्यों ने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नष्ट करता है, बल्कि परिवार, समाज और राष्ट्र की प्रगति में भी गंभीर बाधा उत्पन्न करता है।

मैनपुरी में सख्ती विक्रेता ने की खून की उल्टियां भौत:तबीयत बिगड़ने के बाद जिला अस्पताल में निधन

मोर्निंग सिटी संवाददाता

मैनपुरी में 55 वर्षीय सब्जी विक्रेता लाला राम की जिला अस्पताल में मौत हो गई। उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई थी। उनकी पहचान मोहल्ला कटरा, कोतवाली क्षेत्र, मैनपुरी निवासी लाला राम पुत्र मुंशीलाल के रूप में हुई है। लाला राम महादेव मंदिर के पास सब्जी की दुकान लगाकर जीवनयापन करते थे। रोज की तरह वे अपनी दुकान पर सब्जी लगा रहे थे, तभी उनकी तबीयत अचानक खराब हो गई। उन्हें खून की उल्टियां भी हुईं।

मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें तुरंत उम्चरकर के लिए जिला अस्पताल की इमरजेंसी में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। अस्पताल पहुंचने के दौरान उनके साथ कोई परिजन



मौजूद नहीं था, जिसके चलते शव को अज्ञात के रूप में रखा गया। सुबह जब मोहल्ले के लोगों को घटना की जानकारी मिली, तो वे जिला अस्पताल पहुंचे। उन्होंने मृतक की पहचान लाला राम के रूप में की। आवश्यक कागजी कार्रवाई पूरी करने के बाद परिजन और मोहल्ले के लोग शव को अपने साथ

ले गए। परिजनों और मोहल्ले के लोगों ने शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया। कोतवाली प्रभारी फतेह बहादुर सिंह ने बताया कि 55 वर्षीय व्यक्ति की जिला अस्पताल की इमरजेंसी में मौत हुई थी। उन्होंने पुष्टि की कि जानकारी मिलने पर मोहल्ले के लोग अस्पताल पहुंचे और शव को अपने साथ ले गए।

अलीगढ़ में पर्यटन विकास की अपार संभावनाएं, धरातल पर प्रयास बढ़ाने की जरूरत-राजवीर सिंह

मोर्निंग सिटी

अलीगढ़। धार्मिक, शैक्षणिक और औद्योगिक नगरी अलीगढ़ में पर्यटन विकास की अपार संभावनाएं हैं। आवश्यकता इन संभावनाओं को योजनाबद्ध तरीके से धरातल पर उतारने की है। अलीगढ़ होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन की ओर से होटल फॉरच्यून में पर्यटन विकास को लेकर आयोजित महामंथन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री एवं एटा सांसद राजवीर सिंह राजू भैया ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि किसी भी शहर की पहचान वहां आने वाले पर्यटकों और अतिथियों के अनुभव से भी बनती है। होटल व्यवसायी अतिथियों की सेवा कर शहर की छवि को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने अलीगढ़ में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए सरकारी स्तर पर ठोस प्रयास किए जाने की आवश्यकता बताई।

होटल हैं अलीगढ़ के ब्रांड एम्बेसडर-महापौर

महापौर प्रशांत सिंघल ने कहा कि अलीगढ़ के होटल शहर के ब्रांड एम्बेसडर हैं। होटल संचालक हब अतिथि देवो भवःऋ को भावना के साथ बाहर से आने वाले लोगों का



स्वागत करते हैं। इससे अलीगढ़ की सकारात्मक पहचान बनती है। एसएसपी नीरज कुमार ने कहा कि अलीगढ़ का भौगोलिक और प्राकृतिक महत्व भी पर्यटन के लिहाज से काफी बेहतर है। गंगा और यमुना के मध्य स्थित होने के कारण यहां एडवेंचर और वाटर स्पोर्ट्स जैसी गतिविधियों को विकसित किया जा सकता है। इससे आगरा, मथुरा और दिल्ली-एनसीआर से आने वाले पर्यटकों को अलीगढ़ की ओर आकर्षित किया जा सकता है।

होटल व्यवसाय को उद्योग का दर्जा देने की मांग

एसोसिएशन के चेयरमैन पंकज धीरज ने प्रदेश सरकार के समक्ष होटल व्यवसाय को उद्योग का दर्जा देने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि होटल उद्योग पर्यटन, रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एसोसिएशन इस मांग को सरकार के समक्ष मजबूती से उठाएगी। एसोसिएशन के अध्यक्ष मानव महाजन ने अलीगढ़ को बूज टूरिज्म सर्किट से जोड़ने की मांग के



साथ अलीगढ़ को मथुरा रेलवे ट्रैक से जोड़ने की बहुप्रतीक्षित मांग भी प्रमुखता से रखी। उनका कहना था कि बेहतर कनेक्टिविटी मिलने से अलीगढ़ में पर्यटकों की आवाजाही बढ़ेगी और होटल, व्यापार तथा अन्य पर्यटन आधारित गतिविधियों को लाभ मिलेगा। रीजनल टूरिस्ट ऑफिसर अनुपम श्रीवास्तव ने अलीगढ़ में प्रस्तावित पर्यटन विकास कार्यों की जानकारी देते हुए प्रदेश सरकार की पर्यटन नीति के बारे में बताया। जिला पंचायत अध्यक्ष बिलास, सरदार मनमोती सिंह, प्रदीप सिंघल, अखिल गुप्ता, प्रमीत गुप्ता, अनमोल जुनेजा, दीपक गर्ग सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

मुख्य संरक्षक राजवीर सिंह राजू भैया ने नव नियुक्त पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। इस अवसर पर एसोसिएशन के संरक्षक इंद्रजीत सिंह बिल्ला, राजकुमार गुप्ता, कमल बगई, महामंत्री विवेक बगई, शरद भिल्ल, सचिव मनमोती सिंह, प्रदीप सिंघल, अखिल गुप्ता, प्रमीत गुप्ता, अनमोल जुनेजा, दीपक गर्ग सहित विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।



मोर्निंग सिटी

अलीगढ़। दिगम्बर जैन महाभारत महिला प्रकोष्ठ के तत्वावधान में शुक्रवार को खिरनी गेट स्थित पार्श्व भवन, बड़ा जैन मंदिर में तीज उत्सव हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर तीज पर्व की खुशियां साझा कीं। उत्सव के दौरान म्यूजिकल हाऊजी, तीज विशेष गेम एवं विभिन्न मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने बहु-चढ़कर हिस्सा लिया और कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाया। कार्यक्रम

स्थल पर पारंपरिक तीज गीतों और सांस्कृतिक माहौल ने सभी को उत्सव के रंग में सराबोर कर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रजनी जैन (पी.पी. प्रोडक्ट) ने की। उन्होंने सभी महिलाओं को तीज पर्व की शुभकामनाएं देते हुए ऐसे आयोजनों को सामाजिक एकता एवं सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम के उपरांत सभी उपस्थित महिलाओं के लिए स्वल्पाहार की व्यवस्था भी की गई, जिसका सभी ने आनंद लिया। कार्यक्रम के अंत में महिला प्रकोष्ठ की मंत्री नीरजा जैन (पी.पी. प्रोडक्ट) ने सभी

अतिथियों, प्रतिभागियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त किया। सफल आयोजन पर उपस्थित महिलाओं ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करने की अपेक्षा व्यक्त की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से समिति की अध्यक्ष श्रीमती रजनी जैन, मंत्री नीरजा जैन, कोषाध्यक्ष मधु जैन, आशा जैन, पूर्वी जैन, नीरू जैन, अलका जैन, शैली जैन, सरिता जैन, मंजु जैन, रिचा जैन, एकता जैन, नीता जैन, मौनू जैन, मोना जैन, ऋतु जैन, इन्द्रा जैन, टीना जैन, रेशु जैन, नीलिमा जैन, आदि उपस्थित रहे।

25 हजार का इनामी ठगी आरोपी गिरफ्तार, त्वासी पुलिस की बड़ी कार्रवाई

मोर्निंग सिटी अलीगढ़। एसएसपी नीरज कुमार जादौन के निर्देशन में अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत त्वासी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 25 हजार रुपये के इनामी ठगी के आरोपी जुनेद को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक आरोपी फर्जी फाइनेंस कंपनी बनाकर लोगों को अधिक मुनाफे का लालच देता था और उनसे रकम जमा करकर घोषाघड़ी करता था। आरोपी के खिलाफ त्वासी और सिविल लाइन थानों में घोषाघड़ी समेत कई मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से तीन फर्जी आधार कार्ड भी बरामद किए हैं। लंबे समय से पुलिस को आरोपी की तलाश थी और उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। एसएसपी नीरज कुमार जादौन के निर्देशन में हुई इस कार्रवाई को अलीगढ़ पुलिस की अपराधियों के खिलाफ चल रही कार्रवाई में महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर उसके ठगी के नेटवर्क और अन्य साथियों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

वाइब्रेट अलीगढ़ कार्यक्रम में विकास की नई दिशा, 105 करोड़ की परियोजनाओं का ऐलान

मोर्निंग सिटी अलीगढ़। नगर निगम की ओर से आयोजित पहले वाइब्रेट अलीगढ़ कार्यक्रम में शहर के विकास, स्वच्छता और जनसहभागिता पर मंथन हुआ। भारी बारिश के बावजूद व्यापारी, उद्योगपति, शिक्षाविद और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने 60 करोड़ रुपये की लागत से मट्टी-स्पॉट अउटडोर स्टेडियम एवं कन्वेंशन सेंटर तथा 45 करोड़ रुपये की लागत से त्वासी में अलीगढ़ इंटीग्रेटेड एडुटेनमेंट, इनोवेशन पार्क अर्बन ग्रीन हब विकसित किए जाने की जानकारी दी। बैठक में स्वच्छता, अतिक्रमण, पार्किंग, यातायात, पर्यावरण संरक्षण और जल संरक्षण जैसे मुद्दों पर सुझाव लिए गए। महापौर प्रशांत सिंघल ने कहा कि वाइब्रेट अलीगढ़ शहर के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है और जनसहभागिता से ही अलीगढ़ को स्वच्छ, सुंदर और विकसित बनाया जा सकता है। नगर आयुक्त ने आश्वासन दिया कि नागरिकों के सुझावों को आगामी विकास योजनाओं में शामिल किया जाएगा और भविष्य में भी ऐसे संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

अलीगढ़ से हरिगढ़ ? नाम परिवर्तन की कवायद तेज, शासन ने मांगी रिपोर्ट

मोर्निंग सिटी अलीगढ़। अलीगढ़ का नाम बदलकर हरिगढ़ किए जाने की मांग एक बार फिर चर्चा में है। इस संबंध में महापौर प्रशांत सिंघल और नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा के बयान सामने आए हैं, जिससे स्पष्ट है कि शासन स्तर पर प्रक्रिया आगे बढ़ रही है, हालांकि अंतिम निर्णय अभी लिया जाना बाकी है। महापौर प्रशांत सिंघल ने बताया कि नगर निगम सदन ने वर्ष 2023 में अलीगढ़ का नाम हरिगढ़ करने का प्रस्ताव पारित कर शासन को भेजा था। वर्ष 2026 में पार्षदों की मांग पर यह प्रस्ताव दोबारा भेजा गया। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा अब संबंधित दस्तावेज मांगे जाना इस प्रक्रिया में सकारात्मक प्रगति का संकेत है। वहीं नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने बताया कि शासन ने नगर निगम से इस संबंध में विस्तृत तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है। इसके तहत पूर्व में पारित प्रस्ताव, सदन की कार्यवाही, संभावित आपत्तियों और अन्य सभी संबंधित तथ्यों का परीक्षण कर रिपोर्ट तैयार की जा रही है। सभी सुचनाएं संकलित होने के बाद रिपोर्ट शासन को भेजी जाएगी। फिलहाल अलीगढ़ का नाम हरिगढ़ होगा या नहीं, इसका अंतिम फैसला शासन स्तर पर निर्धारित प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही लिया जाएगा।

हाईवे स्थित वेलकम होटल में पुलिस का छापा, चार गिरफ्तार



मोर्निंग सिटी

अलीगढ़। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर मुखबिर की सूचना के आधार पर सीओ प्रथम संजीव कुमार शर्मा के नेतृत्व में गठित टीम ने गुरुवार देर रात रोरावर थाना क्षेत्र स्थित एचपी पेट्रोल पंप के पास संचालित वेलकम होटल में छापेमारी की।

कार्रवाई में अनेकित देह व्यापार के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के कब्जे से 10,620 रुपये नकद, तीन मोबाइल फोन, छह सीलबंद कंडोम के पैकेट, दो खाली कंडोम पैपर, कुलवे पाउडर का डिब्बा, पैराशूट ऑयल की तीन शीशियां, टाइगर क्रीम की दो डिब्बियां, दो शक्ति चार्जिंग गोलियां तथा सिगरेट की डिब्बी बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राहुल कुमार व

अकित निवासी हयातपुर हिंगोटीया, लोधा तथा फरमान और जिशान निवासी सराय नवाब, रसलगंज के रूप में हुई है। पुलिस ने सभी के विरुद्ध अनेकित देह व्यापार (निवारण) अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। गौरतलब है कि रोरावर थाना क्षेत्र में लगातार दूसरे दिन लोधा पुलिस द्वारा होटल पर कार्रवाई किए जाने से स्थानीय पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठने लगे हैं। क्षेत्र में चर्चा है कि यदि इन होटलों में लंबे समय से कथित अनेकित गतिविधियां संचालित हो रही थीं, तो स्थानीय थाना पुलिस ने समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं की। लगातार दूसरे थाने की पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के बाद अब रोरावर पुलिस की सक्रियता भी चर्चा का विषय बनी हुई है।

15 से 17 अगस्त तक होगा कालसर्प योग एवं पितृदोष निवारण त्रिदिवसीय अनुष्ठान

मोर्निंग सिटी

अलीगढ़। मां पीतांबरा पीठ, तालसपुर गेट, रामघाट रोड स्थित अवस्थी ज्योतिष संस्थान के तत्वावधान में 15 से 17 अगस्त 2026 तक श्री सीराम मंदिर, दुबे का पड़ाव में ग्रह दोष, कालसर्प योग एवं पितृदोष निवारण त्रिदिवसीय सामूहिक अनुष्ठान आयोजित किया जाएगा। संस्थान के आचार्य आदित्य नारायण अवस्थी ने बताया कि 15 अगस्त को प्रातः 10 बजे से सभी देवी-देवताओं, पंचांग पीठ, नवग्रह पीठ, सर्वतोभद्र मंडल, चैप्ट योगिनी, क्षेत्रपाल तथा पार्थिव शिवलिंगों का पूजन एवं कालसर्प योग यंत्र तथा नाग-नागिन के जोड़ों का विधि-विधान से पूजन किया जाएगा।

16 अगस्त को विभिन्न पीठों का पूजन, 11 गाय के दूध से रुद्राभिषेक, गायत्री, महामृत्युंजय, राहु-केतु एवं नाग गायत्री मंत्रों का जाप तथा रुद्र महायज्ञ संपन्न होगा। 17 अगस्त को सभी श्रद्धालु प्रातः 9 बजे बस द्वारा नरौरा गंगा घाट के लिए प्रस्थान करेंगे, जहां मां गंगा पूजन, भव्य गंगा आरती एवं



भंडारे का आयोजन होगा। आचार्य आदित्य नारायण अवस्थी ने बताया कि यह सामूहिक अनुष्ठान वर्ष में एक बार भक्तों के कल्याण, ग्रह दोष, कालसर्प योग, पितृदोष, कार्यों में आने वाली बाधाओं एवं रोगों से मुक्ति की कामना के साथ आयोजित किया जाता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से समय रहते पंजीकरण कराकर अनुष्ठान में सहभागी बनने की अपील की।

पुलिस की तत्परता से बची युवक की जान, आत्महत्या से पहले लापता मोहित को खोज निकाला

मोर्निंग सिटी

अलीगढ़। गांधीपार्क थाना क्षेत्र में पुलिस की तत्परता और सूझबूझ से एक युवक की जान बच गई। गांधीनगर निवासी मोहित कश्यप के लापता होने और आत्महत्या की आशंका की सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल तलाश शुरू कर दी। पुलिस की टीम ने युवक को आत्महत्या का कदम उठाने से पहले ही सकुशल बरामद कर लिया। बताया गया कि 8 अगस्त की सुबह करीब 5:31 बजे पुलिस को सूचना मिली कि मोहित कश्यप घर से लापता हैं। परिजनों ने उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं होने और आत्महत्या की आशंका जताई।

सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारियों ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित पुलिस टीमों को अलर्ट किया। पुलिस ने युवक की फोटो और मोबाइल लोकेशन आसपास के थानों को भेजकर तलाश शुरू



कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए राजघाट और नरौरा पुलिस से भी संपर्क किया गया।

नरौरा थाना प्रभारी ने टीम को तत्काल युवक की तलाश में लगाया। पुलिस टीम ने तेजी से कार्रवाई करते हुए मोहित को

सकुशल खोज निकाला। थाने लाकर उनकी काउंसिलिंग की गई और इसके बाद उन्हें सुरक्षित परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से एक संभावित अनहोनी टल गई और परिवार ने राहत की सांस ली।

लोधा पुलिस की कार्रवाई के बाद खुली रोरावर पुलिस की नींद!

मोर्निंग सिटी

अलीगढ़। रोरावर थाना क्षेत्र में संचालित हो रहे होटलों में कथित अनेकित गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई को लेकर स्थानीय पुलिस की कार्यशैली सवालों के घेरे में है। लगातार दूसरे दिन भी लोधा पुलिस ने रोरावर क्षेत्र में छापेमारी कर ग्लेक्सी इन होटल से छह लोगों को गिरफ्तार किया।

इससे पहले भी इसी क्षेत्र के एक अन्य होटल पर लोधा पुलिस ने कार्रवाई की थी। लगातार दूसरे दिन दूसरे थाने की पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के बाद क्षेत्र में चर्चा है कि आखिर स्थानीय रोरावर पुलिस को इन गतिविधियों की भनक पहले क्यों नहीं लगी। गुरुवार देर रात सीओ गंधाना के नेतृत्व में हुई कार्रवाई में पुलिस ने छह आरोपियों को गिरफ्तार कर नकदी, मोबाइल फोन, कंडोम, सेक्स वर्धक गोलिएं सहित अन्य सामान बरामद किया। सभी के विरुद्ध संबंधित धाराओं



में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि क्षेत्र में इस तरह की गतिविधियां लंबे समय से संचालित हो रही थीं, तो स्थानीय थाना पुलिस की निगरानी और

कार्रवाई पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है। अब लोगों की निगाह इस बात पर है कि रोरावर पुलिस अपने क्षेत्र में ऐसे होटलों के विरुद्ध आगे क्या कार्रवाई करती है।

नशे के खिलाफ स्लोगन प्रतियोगिता में युवाओं ने दिया जागरूकता का संदेश

मोर्निंग सिटी

अलीगढ़। श्री वाण्येय महाविद्यालय की एनएसएस इकाई एवं समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान तथा अर्थशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता का विषय हूंसरी से आजादी, स्वस्थ युवा, सशक्त राष्ट्र रहना, जिसमें करीब 55 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्राचार्य प्रोफेसर नीता ने कहा कि युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति हैं, लेकिन नशे की बहती प्रवृत्ति व्यक्ति के साथ परिवार और समाज को भी प्रभावित करती है। विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए युवाओं को नशे से दूर रखना जरूरी है। विभागाध्यक्षों ने नशे के सामाजिक, राजनीतिक और



आर्थिक दुष्प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान किया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर गुंजन अग्रवाल ने कहा कि हूंसरी को ना कहो और जीवन को हां कहो। अभियान को आगे बढ़ाया जाएगा। प्रतियोगिता में राजा ने प्रथम, प्राची गोस्वामी ने द्वितीय तथा सिद्ध मिश्रा ने तृतीय

स्थान प्राप्त किया। इशिका वर्मा और सलोनी को सात्वना पुरस्कार के लिए चुना गया। निर्णायक मंडल में प्रोफेसर प्रतिभा शर्मा, प्रोफेसर देवेन्द्र राजपूत और डॉ. राकेश कुमार शामिल रहे। चर्चित स्लोगनों का उपयोग एनएसएस की रैली, दीवार लेखन और सोशल मीडिया अभियान में किया जाएगा।

सोनम, मुस्कान, रूबी से भी क्रूर निकली नैना, पति का मूसली से कुचला सिर; बेटी ने प्रेमी संग ठिकाने लगाई लाश

मोर्निंग सिटी

मथुरा। यूपी के मथुरा जिले में दिल दहला देने वाला हत्याकांड सामने आया है। पत्नी ने बेटी और उसके प्रेमी के साथ मिलकर बेरहमी से पति की हत्या कर दी। इसके बाद शव को भी ठिकाने लगा दिया। किसी को भनक तक न लगी। तीन महीने से अधिक समय बाद इस हत्याकांड का सप्तसौखेज खुलासा हुआ है, जिसके बाद सभी हैरान रह गए।

इंदौर की सोनम रघुवंशी, मेरठ की मुस्कान और आगरा की रूबी शर्मा की तरह मथुरा में भी नैना ने बेटी और उसके प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। बेटी के प्रेम संबंधों का विरोध करने पर दुष्ट में नशीला पदार्थ मिलाकर बेहोश कर इमामदस्ते की मूसली से सिर कुचलकर बेरहमी के हत्या कर दी। हत्या के बाद बेटी अपने प्रेमी के साथ शव को कंबल में लपेटकर स्कूटी से यमुना किनारे अक्रूर घाट पर लेकर पहुंची। यहां पर



साक्ष्य मिटाने के लिए शव को जला दिया। हत्या का खुलासा होने के बाद पुलिस ने शनिवार को तीनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। जयसिंहपुरा के राधा कृष्ण वाटिका निवासी रामबाबू ने पुलिस को बताया था कि छोटे भाई मनोज सोनी का 18 अप्रैल की रात को पत्नी से विवाद हुआ था। इसके बाद संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। उसकी पत्नी ने 21 अप्रैल को गोविंद नगर थाने में गुमशुदगी का प्रार्थना पत्र दिया, लेकिन अगले ही दिन उसे वापस ले लिया।

परेशान होने के बाद उन्होंने 9 मई को थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई और पुलिस से तलाश करने की मांग की, लेकिन कोई संतोषजनक कार्रवाई नहीं हुई। इधर, सात जून को घर में ताला लगाकर नैना छोटी बेटी को साथ लेकर कहीं चली गई। घर में ताला लटका देख परिजन परेशान होने लगे और उन्होंने एसएसपी से न्याय की गुहार लगाई।

एसएसपी के आदेश पर 11 जुलाई को गोविंद नगर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर महिला व बेटी की तलाश शुरू की। रामबाबू ने बताया है कि एक सप्ताह पहले गोविंद नगर पुलिस

मां-बेटी को मथुरा लेकर आई और पृष्ठछाड़ की। पृष्ठछाड़ के बाद नैना परेशान होने लगी और वह अपने मायके चली गई। पिता के पृष्ठने पर नैना ने सारे राज खोल दिए। आरोप है कि नैना ने पिता से कहा कि छोटी बेटी और उसके प्रेमी ने पति मनोज को दूध में नशीला पदार्थ मिलाकर पिला दिया। इससे वह बेहोश हो गए और फिर इमामदस्ते की मूसली से सिर कुचलकर हत्या कर दी। वारदात के बाद बेटी और प्रेमी शव को स्कूटी पर रखकर अक्रूर के जंगल में यमुना घाट ले गए। यहां पर दोनों ने शव को कंबल से निकालकर जला दिया।

हत्या की जानकारी पर पुलिस शव जलाने वाले स्थान पर पहुंची। पुलिस ने बुहस्पतिवार रात, शुक्रवार और शनिवार को डॉग स्वयंसेवकों की मदद से शव की तलाश में संचें ऑपरेशन चलाया। यहां पर यमुना का जलस्तर बढ़ने से घुटनों तक पानी भरा होने के कारण साक्ष्य नहीं मिल सके। पुलिस को मौके से एक कंबल बरामद हुआ।

इसके अलावा घर के बाहर नैना ने जलाए मनोज के कपड़े और दस्तावेज की राख पुलिस ने बरामद की। साक्ष्य मिलने के बाद शनिवार शाम को तीनों को कोर्ट में पेश किया गया। शव अक्रूर के जंगल में दफना दिया है। मनोज ने दोनों को एक साथ देख लिया था। इस लिए वारदात को अंजाम दिया है और वह भी वारदात के समय घर पर मौजूद थी। पिता ने यह जानकारी पुलिस व रामबाबू को दी। इसके बाद पुलिस ने उसी कॉलोनी में रहने वाला बेटी के प्रेमी डिलिवरी वॉच विमल चौधरी को हिरासत में लिया और पूछताछ की। प्रेमी की निशानदेही पर पुलिस ने बुहस्पतिवार रात को जेसीबी मशीन से अक्रूर के जंगल में शव की तलाश के लिए सर्वे चलाया। यहां पर यमुना का जलस्तर बढ़ने से घुटनों तक पानी भरा होने के कारण साक्ष्य नहीं मिल सके। पुलिस को मौके से एक कंबल बरामद हुआ।

पिछड़ा वर्ग के युवाओं को मिलेगा ओ लेवल व सीसीसी कंप्यूटर प्रशिक्षण, 180 सीटों का लक्ष्य

मोर्निंग सिटी हाथरस। पिछड़ा वर्ग के युवाओं को रोजगारपरक कंप्यूटर शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासन द्वारा ह्यओई लेवल एवं सीसीसी कंप्यूटर प्रशिक्षण योजना संचालित की जा रही है। योजना के तहत पात्र युवाओं को ऑनलाइन प्रणाली के माध्यम से प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा।जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने बताया कि योजना का लाभ केवल उत्तर प्रदेश के मूल निवासी पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को मिलेगा। आवेदन के लिए अभ्यर्थी की आयु 18 से 35 वर्ष के बीच होनी चाहिए तथा परिवार की सभी सीतों से वार्षिक आय एक लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। अभ्यर्थी की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता इंटरमीडिएट निर्धारित की गई है।छन्हीने बताया कि आवेदन करने वाले अभ्यर्थी का पिछड़ा वर्ग से संबंधित होना अनिवार्य है। साथ ही आय, जाति एवं निवास प्रमाण-पत्र संबंधित तहसील से ऑनलाइन जारी होना आवश्यक है।अधिकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025–26 में जनपद के 178 प्रशिक्षणार्थियों को इस योजना के तहत प्रशिक्षण दिया जा चुका है। वहीं वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए हाथरस को 180 प्रशिक्षणार्थियों के प्रशिक्षण का लक्ष्य आंशित किया गया है और प्रशिक्षण उपलब्ध कराने की प्रक्रिया चल रही है।जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने पात्र युवाओं से अपील की है कि वे निर्धारित पात्रता एवं आवश्यक अभिलेखों के साथ समय से ऑनलाइन आवेदन कर योजना का लाभ उठाएं।

हाथरस की रबड़ी को मिलेगा कारोबार का सहारा, ओडीओएफ योजना में 50 लाख तक की सस्मिडी

मोर्निंग सिटी हाथरस। जनपद के पारंपरिक उत्पादों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित एक जनपद एक व्यंजन (ओडीओएफ) कार्यक्रम के तहत हाथरस के लिए रबड़ी को चयनित किया गया है। रबड़ी से जुड़े कारोबार को बढ़ावा देने और नए उद्यम स्थापित करने के इच्छुक लोगों के लिए वित्त पोषण सहायता योजना संचालित की जा रही है।इपयुक्त उद्योग रामेंद्र कुमार ने बताया कि योजना के तहत रबड़ी से संबंधित उद्योग, सेवा एवं व्यवसाय इकाइयों को ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस पर सरकार की ओर से 10 से 25 प्रतिशत तक की सस्मिडी, अधिकतम 50 लाख रुपये तक दिए जाने का प्रावधान है।योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक की आयु कम से कम 18 वर्ष होनी चाहिए। किसी विशेष शैक्षिक योग्यता की अनिवार्यता नहीं है। आवेदक अथवा उसकी इकाई किसी राष्ट्रीयकृत ब्रैंड, वित्तीय संस्था या सरकारी संस्था की ऋण देनदारी में लिक्विडर नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा आवेदक ने केंद्र अथवा प्रदेश सरकार की किसी अन्य स्वरोजगार योजना का पूर्व में लाभ न लिया हो।योजनागत आवेदक अथवा उसके परिवार के किसी सदस्य को केवल एक बार लाभ दिया जाएगा। पात्रता संबंधी शर्तों को पुरा करने के संबंध में आवेदक को शपथ पत्र भी प्रस्तुत करना होगा।अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, ट्रांसजेंडर, महिला एवं दिव्यांगजन श्रेणी के आवेदकों को नियमानुसार लाभ प्राप्त करने के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा जारी संबंधित प्रमाण-पत्र की प्रमाणित प्रति आवेदन के साथ लगानी होगी।इपयुक्त उद्योग ने रबड़ी के कारोबार से जुड़े तथा इस क्षेत्र में नया उद्यम शुरू करने के इच्छुक लोगों से योजना का लाभ उठाने की अपील की है। इच्छुक व्यक्ति जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र, हाथरस में किसी भी कार्यदिवस में सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक संपर्क कर योजना की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

स्वयं सहायता समूहों ने तैयार किए तिरंगे, कांवड़ शिविरों में बिंदी की व्यवस्था

मोर्निंग सिटी हाथरस। हर घर तिरंगा अभियान-2026 के तहत जनपदवासियों को राष्ट्रीय ध्वज आसानी से उपलब्ध कराने के लिए स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार किए गए तिरंगा झंडों की बिंदी की व्यवस्था की गई है।जिला विकास अधिकारी ने बताया कि स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं द्वारा तैयार किए गए तिरंगा झंडे कांवड़ कैप देयालपुर, विकासखंड मुरसान तथा कांवड़ कैप नवाली लालपुर, विकासखंड सिक्करदाराऊ में बिंदी के लिए उपलब्ध हैं। नागरिक इन शिविरों से तिरंगा झंडे खरीद सकते हैं।उन्होंने जनपदवासियों से अपील की है कि हर घर तिरंगा अभियान-2026 में बढ़-चढ़कर सहभागिता करते हुए अपने घरो पर प्रतिभागों पर राष्ट्रीय ध्वज फहराएं और राष्ट्रप्रेम एवं राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने में योगदान दें।जिला विकास अधिकारी ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों द्वारा तैयार तिरंगे खरीदने से जहां हर घर तिरंगा अभियान को जनभागीवारी मिलेगी, वहीं ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं के स्वावलंबन और आर्थिक सशक्तीकरण को भी बढ़ावा मिलेगा।

जलालपुर के पास अनियंत्रित बाइक पेड़ से टकराई, युवक की मौत

मोर्निंग सिटी हाथरस। थाना हाथरस जंक्शन क्षेत्र के गांव जलालपुर के निकट शनिवार दोपहर हुए सड़क हादसे में बाइक सवार 35 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कांड़ में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया बताया जाता है कि आगरा के बरहन क्षेत्र के इमलिया निवासी सत्येंद्र पुत्र नंदकिशोर शनिवार दोपहर करीब 12 बजे लाडपुर गांव से जलालपुर स्थित अपनी रिश्तेदारी में जा रहा था। जलालपुर से कुछ पहले अचानक उसकी बाइक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई।टक्कर इतनी जोरदार थी कि सत्येंद्र बाइक से मिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने उसे बवाने का प्रयास किया, लेकिन उसकी मौत हो चुकी थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया बताया गया है कि सत्येंद्र मेहनत-मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करता था। उसके परिवार में पत्नी और चार बच्चे हैं। हादसे के बाद परिवार में मातम पसरा हुआ है। पुलिस मामले की आवश्यक कार्रवाई में जुटी है।

बीमारी ठीक करने के बहाने महिला को मरघट ले गए, छेड़खानी का आरोप

मोर्निंग सिटी हाथरस। थाना हाथरस जंक्शन क्षेत्र के एक गांव में बीमारी ठीक करने के नाम पर महिला को मरघट ले जाकर छेड़खानी किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने तीन आरोपियों को खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों में दो नामजद और एक अज्ञात व्यक्ति शामिल बताया गया है। पीड़िता के अनुसार वह लंबे समय से बीमार चल रही थी और कई स्थानों पर उपचार करने के बावजूद उसे आराम नहीं मिला। इसके बाद परिजनों द्वारा झाड़ू-फूंक भी कराई गई। आरोप है कि 5 अगस्त को अज्ञय पुत्र हरिओम, विष्णु और एक अन्य अज्ञात व्यक्ति उसके घर पहुंचे और बीमारी ठीक करने के बहाने उसे मरघट ले जाने की बात कही।महिला के मुताबिक वह अपने पति के साथ आरोपियों के साथ मरघट पहुंची। वहां आरोपियों ने उसके पति को काफी दूर खड़ा कर दिया और उसे अकेले मरघट के अंदर ले गए। पीड़िता ने आरोप लगाया कि वहां उसके साथ छेड़खानी की गई। उसकी वीख-पुकार सुनकर पति मौके पर पहुंचा तो आरोपी वहां से भाग निकले।इसके बाद महिला ने पुलिस से शिकायत की। थाना हाथरस जंक्शन पुलिस ने शिकायत के आधार पर संबंधित घातकों में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपियों की तलाश के साथ ही मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों एवं साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अग्रवाल सभा चुनाव में नाम वापसी के बाद तस्वीर साफ, अध्यक्ष-महामंत्री पद पर त्रिकोणीय मुकाबला

मोर्निंग सिटी हाथरस। श्री अग्रवाल सभा के दो वर्षीय कार्यकाल 2026-28 के लिए चल रही चुनाव प्रक्रिया में नाम वापसी की अंतिम तिथि बीतने के बाद चुनावी तस्वीर साफ हो गई है। नाम वापसी के अंतिम दिन वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के प्रत्याशी अनुरा अग्रवाल एडवोकेट ने अपना नामांकन वापस ले लिया। इसके बाद अन्य सभी प्रत्याशी चुनाव मैदान में डटे हुए हैं। चुनाव अधिकारियों ने बताया कि नाम वापसी की अंतिम तिथि 7 अगस्त थी। इसी दिन वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद से अनुरा अग्रवाल एडवोकेट ने अपना नामांकन वापस लिया। अब सभा के विभिन्न पदों के लिए 16 अगस्त को मतदान कराया जाएगा।अध्यक्ष और महामंत्री पद पर तीन-तीन प्रत्याशी होने के कारण दोनों पदों पर मुकाबला त्रिकोणीय और बेहद दिलचस्प हो गया है। नाम वापसी के बाद चुनाव मैदान में मौजूद प्रत्याशियों ने अग्रवाल समाज के मतदाताओं से संपर्क तेज कर दिया है। प्रत्याशी घर-घर संपर्क कर समर्थन जुटाने और अपने पक्ष में मतदान की अपील करने में जुटे हैं।अध्यक्ष पद पर दीनदयाल गोयल, राकेश बंसल और अनिल अग्रवाल के बीच मुकाबला है। महामंत्री पद के लिए प्रदीप कुमार बंसल, मनोज कुमार अग्रवाल और मनोज बुढ़िया मैदान में हैं।कोषाध्यक्ष पद पर श्याम कुमार अग्रवाल और संजय कुमार टालीवाल आमने-सामने हैं। वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर राजेश अग्रवाल, गौरव बाबू अग्रवाल, राजेश कुमार तायल और अनूप कुमार अग्रवाल चुनाव मैदान में हैं।कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर लोकेश अग्रवाल और मनीष मित्तल, जबकि मंत्री पद पर गौरव अग्रवाल, गौरव तायल और सुधीर मित्तल के बीच मुकाबला होगा। संयुक्त मंत्री पद पर कुंभेश बंसल जालाना चुनाव मैदान में हैं। नाम वापसी के बाद अब चुनावी सरगमियां तेज हो गई हैं। प्रत्याशियों द्वारा मतदाताओं से संपर्क कर अपने पक्ष में समर्थन जुटाने का दौर शुरू हो गया है। चुनाव को लेकर अग्रवाल समाज में भी उत्पुकता बढ़ती जा रही है।छल्लेखनीय है कि अग्रवाल सभा के लिए पहली बार व्यवस्थित एवं नियंत्रित चुनाव प्रक्रिया के तहत चुनाव कराया जा रहा है। अब 16 अगस्त को होने वाले मतदान में मतदाता विभिन्न पदों के प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे।

प्रदेश में मानसून सक्रिय, मप्र से सटे जिलों में आज भारी बारिश की चेतावनी

लखनऊ

प्रदेश में मानसून दक्षिणी भाग में पहुंचने के कारण मध्य प्रदेश से सटे जिलों में भारी बारिश की संभावना है। मौसम वैज्ञानिक मोहम्मद दानिश के मुताबिक आज मध्य प्रदेश से सटे जिलों में अच्छी बारिश होगी और बाकी जगहों पर बादलों की आवाजाही के साथ छिटपुट बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग के मुताबिक दक्षिण पश्चिमी उत्तर प्रदेश पर बना निम्न दबाव क्षेत्र कमजोर पड़ गया है, वहीं मानसूनी द्रोणी अपनी सामान्य स्थिति के करीब है। यह अनुपगढ़, दिल्ली, आगरा, होते हुए पूर्व मध्य बंगाल की खाड़ी की ओर जा रही है। इसके अलावा दक्षिणी पश्चिम बंगाल और उससे सटे उत्तरी ओडिशा के आसपास बना निम्न दबाव क्षेत्र भी मानसूनी द्रोणी की अश्व रेखा के साथ पश्चिम उत्तर पश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है। इन मौसमी परिस्थितियों के चलते अगले तीन दिनों के दौरान प्रदेश के दक्षिणी भागों में मानसून ज्यादा सक्रिय रहेगा।

कभी तेज धूप तो कभी बादलों की छांव राजधानी के लोगों में भ्रम पैदा कर रही है। शनिवार को बादलों की आवाजाही के साथ शहर में अधिकतम तापमान 33.5 डिग्री और निम्नतम तापमान 27.8 डिग्री रहा। मौसम

हरिद्वार से लौट रहे परिवार की पिकअप पेड़ से टकराई, 11 घायल

मोर्निंग सिटी

हाथरस। देर रात गांव महमूद बरसे के निकट करीब पौने दो बजे वाहन संख्या यूपी 80 जीटी 2187 अनियंत्रित होकर सड़क की विपरीत दिशा में स्थित पीपल के पेड़ से जा टकराया। हादसे में वाहन सवार 11 लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल हाथरस भेजदिया है।

शनिवार को पुलिस के अनुसार मिली जानकारी में एक ही परिवार के लोग चार अगस्त को आगरा के मलपुरा से हरिद्वार के लिए रवाना हुए थे। चार दिनों से लगातार इसी वाहन से यात्रा करने के बाद शुक्रवार रात हरिद्वार से अपने गांव मलपुरा लौट रहे थे। महमूद बरसे के पास चालक रमन पुत्र चंद्रपाल, उम्र करीब 35 वर्ष, को थकान और नींद आ जाने के कारण पिकअप वाहन पर नियंत्रण नहीं रहा और पिकअप सड़क की दूसरी दिशा में जाकर पेड़ से टकरा गई। घटना की जानकारी होते ही राहगीरों की भीड़ जुट गई। सूचना पाकर प्रभारी निरीक्षक श्रीमती विपिन चैधरी मयफोरसं के मौके पर पहुंच गईं और ऐंबुलेंस के जरिए लोगों की मदद से घायलों को उपचार के लिए जिला हॉस्पिटल भेजा। जहां सभी का उपचार कराया गया। वहीं गंभीर हालत की देखते हुए इंद्रा पत्नी धर्मेन्द्र और ऋतिक पुत्र सुनील को एसएम मेडिकल कॉलेज, आगरा रेफर कर दिया गया। हादसे में इंद्रा पत्नी धर्मेन्द्र (42), दीपक (16), संजय (40), ऋतिक (15), आदि (13), रि्तु (12), धर्मेन्द्र (42), चालक रमन (35), रेखा (28), पिंगी (38) और ओम (40) घायल हुए हैं। सभी मलपुरा थाना क्षेत्र, आगरा के निवासी बताए गए हैं। मौके पर शांति व्यवस्था बनाई है और पुलिस अग्रिम विधिक कार्रवाई में जुटी है।

कांवड़ियों पर बरसे फूल, गूंजे बम-बम भोले के जयकारे

मोर्निंग सिटी

हाथरस। श्रावण मास के पावन अवसर पर गंगाजल लेकर अपने गंतय्व की ओर लौट रहे शिवभक्त कांवड़ियों का हाथरस-मथुरा मार्ग स्थित हातिसा पुल के निकट नगर पालिका परिषद द्वारा स्थापित कांवड़ कैप में जमप्रतिनिधियों एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों ने पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया। इस दौरान कांवड़ियों को प्रसाद भी वितरित किया गया।कांवड़ियों के स्वागत के दौरान सांसद अनूप प्रधान वाल्मीकि, विधायक सदर अंजुला सिंह माहौर, विधायक सादाबाद प्रदीप कुमार सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रेम सिंह कुशवाह, रालोद जिलाध्यक्ष श्याम सिंह, जिलाधिकारी अतुल वत्स एवं पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा ने शिवभक्तों पर पुष्पवर्षा की। कांवड़ियों और उपस्थित लोगों के ह्यबम-बम भोल्लेह के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा।जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने कांवड़ियों से संवाद कर उनका कुशलक्षेम के पालन करने, निर्धारित मार्गों का उपयोग करने और अनावश्यक जल्दबाजी से बचने की अपील की। उन्होंने प्रशासन एवं पुलिस द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए सावधानी और अनुशासन के साथ यात्रा पूरी करने का आह्वान की पेशानी तो नहीं हुई। कांवड़ियों ने जिला प्रशासन एवं पुलिस की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए आभार



जताया।जिलाधिकारी अतुल वत्स ने कहा कि कांवड़ियों की सुरक्षा, सुविधा और सुगम यात्रा प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने श्रद्धालुओं से यातायात नियमों का पालन करने, निर्धारित मार्गों का उपयोग करने और अनावश्यक जल्दबाजी से बचने की अपील की। उन्होंने प्रशासन एवं पुलिस द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए सावधानी और अनुशासन के साथ यात्रा पूरी करने का आह्वान किया।पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा ने भी कांवड़ियों से अनुशासन बनाए रखने की अपील की। उन्होंने बताया कि

कांवड़ यात्रा मार्गों पर सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को लेकर पुलिस बल लगाता निगरानी कर रहा है।कांवड़ कैप में स्वास्थ्य विभाग की ओर से श्रद्धालुओं को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके अलावा पेयजल, भोजन, विश्राम सहित अन्य आवश्यक सुविधाओं की भी व्यवस्था की गई है। व्यवस्थाओं से कांवड़ श्रद्धालु संतुष्ट नजर आए।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व, उपजिलाधिकारी सदर सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी एवं पुलिस बल मौजूद रहा।

रुदायन से रामघाट रवाना हुआ कांवड़ियों का जत्था, गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित कराने का लिया संकल्प

मोर्निंग सिटी

हाथरस। गांव रुदायन से करीब दर्जनभर से अधिक कांवड़ियों का एक विशेष जत्था गंगाजल लेने के लिए रामघाट के लिए रवाना हुआ। कांवड़ियों की इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ-साथ एक बड़े सामाजिक और राष्ट्रीय संदेश को लेकर गौमाता को ह्यारष्ट्रमाताह्द का दर्जा दिलाना है। अपने इस संकल्प को उजागर करने के लिए श्रद्धालु कांवड़ यात्रा में अपने साथ गौमाता को भी लेकर रवाना हुए हैं।

शनिवार को गौसेवा और सनातन धर्म के प्रति समर्पित इस कांवड़ यात्रा को लेकर गांव रुदायन और आसपास के ग्रामीण इलाकों में भारी उत्साह देखा जा रहा है। कांवड़ियों ने प्रस्थान से पूर्व गांव में पूजा-अर्चना की और ह्यहर-हर महादेवह तथा ह्यजय गौमाताह्द के गानभेदी जयकारों के साथ अपनी यात्रा का शुभारंभ किया।

जगह-जगह ग्रामीणों ने पुष्पवर्षा कर और आरती उतारकर कांवड़ियों व गौमाता का भव्य स्वागत किया। इस यात्रा में प्रमुख रूप से सीटू पंडित, गौरांश पंडित, प्रवीन चैधरी, कांता रामपूत,सूरज पंडित, किंस पंडित, पिटू ठाकुर, रवि कश्यप, लवकुश चैधरी, आशीष पंडित, विष्णु ठाकुर, मोहित पंडित, बबोी चैधरी, चेतन पंडित

कांवड़ियों ने बताया कि गौमाता केवल धार्मिक आस्था का केंद्र नहीं हैं, बल्कि वे संपूर्ण भारतवर्ष को अर्थव्यवस्था, संस्कृति और स्वास्थ्य का आधार हैं। जब तक गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा प्राप्त नहीं हो जाता, तब तक वे इस प्रकार के जनजागरण अभियान और धार्मिक यात्राएं आयोजित करते रहेंगे।

हाथरस

आखिर कब टूटेगी नशे के कारोबार पर पुलिस की चुप्पी?

मोर्निंग सिटी

हाथरस। सदर कोतवाली क्षेत्र का खौड़ा हजारी इन दिनों कथित नशे के कारोबार को लेकर चचाओं में है। सोशल मीडिया पर वायरल बताए जा रहे चींडियो, स्थानीय लोगों की शिकायतों और लगातार उठ रहे सवालोंने पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। हालांकि सामने आए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन मामला इतना गंभीर है कि निष्पक्ष जांच के जरिए सच्चाई सामने आना जरूरी हो गया है।स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में गांजा, चरस, स्मैक और अवैध शराब की कथित बिक्री एवं तस्करी लंबे समय से चर्चा का विषय बनी हुई है। कुछ लोगों के नाम भी सोशल मीडिया और स्थानीय चचाओं में सामने आने की बात कही जा रही है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि पुलिस जांच कर स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं करती और यदि आरोपों में सच्चाई है तो कार्रवाई क्यों नहीं दिखाई दे रही?क्षेत्रवासियों का कहना है कि नशे का बढ़ता प्रभाव केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं है, बल्कि इसका सीधा असर युवाओं और समाज के भविष्य पर पड़ता है। नशे की गिरफ्त में फंसने वाले युवाओं के कारण परिवारों में आर्थिक और सामाजिक संकट पैदा होने की आशंका

संभावना है। बंगाल की खाड़ी में एक निम्नदाब उत्पन्न होने जा रहा है, जिसका असर भी कल सामान्य बना रहेगा हालांकि कल से बारिश की

दाऊ बाबा सेवा मंडल की श्रीकृष्ण लीला में किया भक्त प्रह्लाद कथा का मंचन

मोर्निंग सिटी

हाथरस। कस्बा श्री रामलीला मैदान में दाऊ बाबा सेवा मंडल के तत्वावधान में आयोजित श्रीकृष्ण लीला महोत्सव के अंतर्गत शुक्रवार देर रात लगभग 10 बजे भक्त प्रह्लाद चरित्र का मंचन किया गया। कथा वाचक स्वामी प्रदीप कृष्ण ठाकुर जी महाराज ने भगवान विष्णु के परम भक्त प्रह्लाद को अटूट श्रद्धा, सत्य के प्रति समर्पण और ईश्वर में अटूट विश्वास का मार्मिक वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को भक्ति का महत्व बताया।

उन्होंने कहा कि सच्चा भक्त विपरीत परिस्थितियों में भी अपने आराध्य का साथ नहीं छोड़ता। हिरण्यकश्यप द्वारा प्रह्लाद को अनेक प्रकार की यातनाएं दिए जाने के बावजूद उनकी भगवान के प्रति अटूट आस्था कभी डगमगाई नहीं। अंततः भगवान श्रीहरि ने नरसिंह अवतार धारण कर अपने भक्त की रक्षा की और अधर्म का अंत किया। यह



प्रसंग हमें सिखाता है कि सत्य, धर्म और भक्ति को सदैव विजय होती है। कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालु कथा का रसपान कर भावविभोर हो उठे। इस अवसर पर यज्ञ आचार्य पंडित खगेंद्र शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराया। मुख्य यजमान संजय उपाध्याय, विजय कुमार शर्मा एवं शालिनी शर्मा ने विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया। इस मौके पर

यज्ञ आचार्य खगेंद्र शास्त्री मुख्य यजमान विजय शर्मा, शालिनी शर्मा, संजय उपाध्याय, सत्य प्रकाश वर्ण्य, सदन गोपाल अग्रवाल, अरविंद वर्ण्य, संतोष वर्ण्य नलवाले, लालता प्रसाद माहौर,सुरेंद्र कुमार वर्ण्य, संजय सिंह, अखिल अग्रवाल, विनोद अग्रवाल काका, डॉक्टर कैलाश चंद, नरेश कुशवाहा के अलावा सैकड़ों भक्त जन मौजूद रहे

आयुष आपके द्वार के तहत पौपानगला में स्वास्थ्य शिविर आयोजित, बांटी दवाइयां



मोर्निंग सिटी

हाथरस। शासन के निर्देशानुसार जनपद के गांव पौपानगला में आयुष आपके द्वार (आउटरीच कैप) के अंतर्गत एक दिवसीय स्वास्थ्य कैप एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

शनिवार को लगाए गये शिविर में बड़ी संख्या में आए ग्रामीणों को आयुर्वेदिक पद्धति के महत्व को समझाते हुए निःशुल्क दवाइयां वितरित की गईं। साथ ही आयुर्वेद चिकित्सकों ने वर्षा ऋतु में होने वाली बीमारियों से बचाव के तरीके भी बताए गए। आयुष सचिव एवं आयुर्वेदिक निदेशक उत्तर प्रदेश के आदेशानुसार और क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं युनानी अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार के निर्देशन में इस कैप का संचालन हुआ। इसे सासनी के गांव कोमरी और टिकारी के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालयों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। शिविर में पहुंचे

मुख्य चिकित्सकों डॉ. संतेंद्र सिंह एवं डॉ. लालता प्रसाद ने आए हुए मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें उचित चिकित्सीय परामर्श दिया। डॉक्टरों ने बताया कि वर्षा ऋतु (मानसून) के दौरान मौसमी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इससे बचने के लिए आयुर्वेदिक पद्धति के अनुसार दिनचर्या और खान-पान में बदलाव करना बेहद जरूरी है। उन्होंने ग्रामीणों को शुद्ध व ताजा भोजन करने और उबला हुआ पानी पीने की सलाह दी। शिविर में मौजूद लोगों को आयुर्वेद के बुनियादी सिद्धांतों से अवगत कराया गया। चिकित्सकों ने ग्रामीणों को अपनी रोजमर्रा की ज़िंदगी में आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति को अपनाने के लिए प्रेरित किया। शिविर के दौरान गंभीर व मौसमी बीमारियों से पीड़ित रोगियों को राजकीय चिकित्सालय की ओर से मुफ्त औषधियां दी गईं। इस मौके पर भारी संख्या में ग्रामीण और स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

संपूर्ण समाधान दिवस में आधा दर्जन शिकायतें दर्ज, दो का मौके पर निस्तारण

मोर्निंग सिटी

हाथरस। थाना सासनी परिसर में थाना समाधान दिवस का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता तहसीलदार डॉली यादव ने की, संचालन प्रभारी निरीक्षक विपिन चैधरी ने किया। समाधान दिवस में क्षेत्र से पहुंचे फरियादियों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा। अधिकारियों ने शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित कर्मचारियों एवं पुलिसकर्मियों को शिकायतों के शीघ्र एवं निष्पक्ष निस्तारण के निर्देश दिए।

संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान कुल छह शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें से दो शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया, जबकि शेष शिकायतों के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि फरियादियों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए शिकायतों का प्राथमिकता



के आधार पर निस्तारण किया जाना जरूरी है। प्रभारी निरीक्षक विपिन चैधरी ने पुलिस से संबंधित मामलों में शिकायतकर्ताओं को आवश्यक कार्रवाई का भरोसा दिलाया। उन्होंने अधीनस्थ पुलिसकर्मियों को निर्देशित किया कि थाने पर आने वाले फरियादियों के साथ सम्मानजनक व्यवहार करते हुए उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना जाए। समाधान दिवस में अधिकारियों की मौजूदगी से फरियादियों को अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद जगी। कार्यक्रम के दौरान संबंधित विभागों के कर्मचारी एवं पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

लाइफ लाइन हॉस्पिटल पर आखिर क्यों मेहरबान है स्वास्थ्य विभाग के नॉडल अधिकारी



मोर्निंग सिटी

कासगंज। जनपद में स्वास्थ्य मानकों की ध्वजियां उड़ाकर संचालित हो रहे अवैध अस्पतालों, क्लीनिकों और पैथोलॉजी लैबों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग की हालिया कार्रवाई अब सवालों के घेरे में आ गई है। स्थानीय लोगों और सूत्रों का गंभीर आरोप है कि स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी डॉ. उत्कर्ष यादव की सह पर जिले में

अवैध चिकित्सा का कारोबार फल-फूल रहा है। हाल ही में सोरो क्षेत्र के एक मासूम बच्चे की मौत के बाद हरकत में आए स्वास्थ्य विभाग ने एसोएमओ की अगुवाई में मिशन चैराहा स्थित कई संस्थानों पर छापेमारी की। इस दौरान विनायक हॉस्पिटल, सिद्धि विनायक हॉस्पिटल, श्री सिद्धि विनायक हॉस्पिटल और बिना अधिकृत रेडियोलॉजिस्ट के चल रहे विनायक अल्ट्रासाउंड सेंटर को सीज कर दिया गया। इस कार्रवाई

पहले सील, फिर डील का खेल?

कासगंज। कार्रवाई के बीच जनचर्चा है कि स्वास्थ्य विभाग का यह अभियान महज दिखावा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नोडल अधिकारी पहले अवैध क्लीनिकों को सीज करते हैं और बाद में पर्दे के पीछे साइटगट (डील) कर दूसरे नाम से फाइल जमा करवाकर उन्हें दोबारा संचालित करवा देते हैं। यह सवाल भी बना हुआ है कि आखिर सील होने के बाद ये अस्पताल दोबारा कैसे खुल जाते हैं?

कार्रवाई में जातिवाद का आरोप, हालाइफ लाइनरूह पर रहम क्यों?

कासगंज। मिशन चैराहे पर हुई छापेमारी के दौरान हालाइफ लाइन हॉस्पिटलरूह को छोड़ दिए जाने पर शहर में चर्चाओं का बाजार गर्म है। सूत्रों के मुताबिक, पूर्व में अशोक नगर में रसवोदय नाम से चल रहे इस अस्पताल में जच्चा-बच्चा की मौत के बाद भारी हंगामा हुआ था। जिसके बाद इसे बंद कर मिशन चैराहे पर हालाइफ लाइनरूह नाम से नया अस्पताल खोल दिया गया। आरोप है कि इसके प्रोपराइटर शैलेंद्र यादव और नोडल अधिकारी उत्कर्ष यादव का एक ही वर्ग से होना इस अस्पताल के खिलाफ कार्रवाई न होने की मुख्य वजह है।

आशा, एएनएम और झोलाछाप डॉक्टरों का सिडिकेट

कासगंज। ग्रामीण क्षेत्रों से मरीजों को सरकारी अस्पतालों के बजाय इन निजी और अवैध अस्पतालों में भेजने के लिए एक पूरा रेफरल नेटवर्क काम कर रहा है। आरोप है कि आशा बहुओं, एएनएम और स्थानीय झोलाछाप डॉक्टरों के माध्यम से कमिशन के खेल में गर्भवती महिलाओं और गंभीर मरीजों को चुनिंदा निजी अस्पतालों में भर्ती कराया जाता है। कासगंज। स्वास्थ्य विभाग में चल रहे इस पूरे खेल को लेकर अब जिले भर में निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच की मांग उठ रही है। लोगों का कहना है कि यदि शासन स्तर से इस मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए, तो नोडल अधिकारी सहित विभाग के कई बड़े चेहरों की गर्दन फंसना तय है। कासगंज। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय कुमार का कहना है अवैध अस्पतालों, क्लीनिकों और बिना मानकों के चल रहे अल्ट्रासाउंड सेंटरों के खिलाफ विभाग का अभियान लगातार जारी है। किसी भी सूत्र में अवैध संचालन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और यह कार्रवाई आगे भी बिना किसी भेदभाव के निरंतर चलती रहेगी।

पूरे जनपद में मात्र 5 दर्जन रजिस्ट्रेशन एक दर्जन लैब आधा दर्जन से अधिक अल्ट्रासाउंड

कासगंज। पूरे जनपद की बात की जाये तो जनपद में 5 दर्जन से अधिक हॉस्पिटल, क्लिनिक एक दर्जन से अधिक पैथोलॉजी लैब व आधा दर्जन से अधिक अल्ट्रासाउंड सेंटर रजिस्ट्रेशन है, बाकि सब फर्जी विभाग की साट-गाट से नॉडल अधिकारी के रहमों करम पर चल रहे है।

से इलाके के अवैध अस्पताल संचालकों में अफरा-तफरी मच गई।

बटेश्वर मंदिर में कांवड़ियों की सुरक्षा को लेकर एसीपी ने परखी तैयारियां

मोर्निंग सिटी

आगरा। श्रावण माह के दूसरे सोमवार को बटेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक के लिए उमड़ने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम दर्शन व्यवस्था को लेकर पुलिस ने तैयारियां तैज कर दी हैं। शनिवार को अपर पुलिस आयुक्त सचिन्द्र पटेल ने थाना बाह क्षेत्र स्थित बटेश्वर महादेव मंदिर और कांवड़ मार्ग का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अपर पुलिस आयुक्त ने मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा, यातायात और कानून-व्यवस्था से जुड़ी तैयारियों को परखा। उन्होंने मंदिर समिति के पदाधिकारियों और पुजारियों से भी बातचीत कर श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ और व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली। अपर पुलिस आयुक्त ने मंदिर परिसर और आसपास बैरिकेडिंग की स्थिति देखी। इसके साथ ही कांवड़ यात्रा मार्ग, जलाभिषेक स्थल, प्रवेश और निकास मार्ग, प्रकाश व्यवस्था तथा पार्किंग स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को भीड़ के दौरान श्रद्धालुओं की आवाजाही को सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए।

सुरक्षा व्यवस्था के तहत मंदिर और आसपास लगाए जाने वाले सीसीटीवी कैमरों की निगरानी व्यवस्था भी देखी गई। ड्यूटी पर तैनात



पुलिसकर्मियों की स्थिति और यातायात प्रबंधन की तैयारियों की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और भीड़ बढ़ने की स्थिति में तत्काल प्रभावी व्यवस्था की जाए।

निर्धारित मार्ग से ही गुजरें श्रद्धालु

पुलिस ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि कांवड़ यात्रा और जलाभिषेक के दौरान पुलिस-

प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें। निर्धारित मार्गों का ही प्रयोग करें और यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें। श्रावण के दूसरे सोमवार को बटेश्वर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर तैयारियां तैज कर दी हैं।

अधिकारियों का जोर भीड़ नियंत्रण के साथ श्रद्धालुओं को सुगम दर्शन और सुरक्षित जलाभिषेक कराने पर है।

रोस्टिंग के नाम पर मनमानी बिजली कटौती, अभयपुरा बिजलीघर की व्यवस्था पर उठे सवाल

मोर्निंग सिटी

अभयपुरा। अभयपुरा बिजलीघर क्षेत्र में बिजली आपूर्ति व्यवस्था लगातार सवालों के घेरे में है। ग्रामीणों का आरोप है कि रोस्टिंग के नाम पर बिना किसी स्पष्ट समय-सारिणी के कभी भी बिजली काट दी जाती है, जिससे आम उपभोक्ताओं के साथ-साथ किसान भी परेशान हैं। बिजली कटौती का कारण पृष्ठन पर बिजलीघर से रोस्टिंग का हवाला दिया जाता है, लेकिन रोस्टिंग का निर्धारित समय क्या है और किस समय बिजली काटी जानी है, इसकी कोई स्पष्ट जानकारी उपभोक्ताओं को नहीं दी जा रही। मामले की गंभीरता को अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जब अभयपुरा बिजलीघर पर तैनात जेई राजकुमार से रोस्टिंग और बिजली कटौती के संबंध में

जानकारी मांगी जाती है तो उनके पास भी कोई स्पष्ट जवाब नहीं होता। ऐसे में सवाल उठता है कि जब जिम्मेदार अधिकारी की ही बिजली कटौती और रोस्टिंग की जानकारी नहीं है तो बिजलीघर की व्यवस्था आखिर किसके भरोसे चल रही है? ग्रामीणों का कहना है कि बिजली विभाग को रोस्टिंग के नाम पर मनमानी कटौती बंद कर निर्धारित रोस्टिंग शेड्यूल सार्वजनिक करना चाहिए, ताकि उपभोक्ताओं को कम से कम यह पता हो कि बिजली कब आएगी और कब जाएगी। ग्रामीणों ने उच्च अधिकारियों से मामले का संज्ञान लेकर अभयपुरा बिजलीघर की कार्यप्रणाली की जांच कराने और लापरवाही के लिए जिम्मेदार अधिकारियों-कर्मचारियों की जाबबदेही तय करने की मांग की है।



मोर्निंग सिटी

कासगंज। सत्यम, शिवम, सुन्दरम की अनुपम छटा उस समय दृष्टिगोचित हुई जब श्रावण मास में कावड़िये श्रद्धा, भक्ति, आस्था के साथ गंगा जल लेकर शिवालियों की ओर कूच करने लगे। वहीं कावड़ यात्रा को विधवत सुचारू रूप से

सम्पन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने कड़ी व्यवस्थाओं को अंजाम दिया, जिससे किसी कावड़िये को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। व्यवस्थाओं को अंजाम देने के लिए जिला प्रशासन के आलाधिकारी समय-समय पर गंगा घाटों व कावड़ यात्रा मार्ग का सघन निरीक्षण करते हुए



अधीनस्तों को आवश्यक दिशा निर्देश देते दिखे।

विविध हो कि भारत वर्ष पर्व एवं उत्सवों का देश है यहां समय-समय पर धार्मिक उत्सव आयोजित किये जाते है। भारत वर्ष में विभिन्न धर्मों के अनुयाइयों का देश होने के चलते उनके पर्व और उत्सव भी अनुपम छटा बिखेरते हुए दिखाई देते है। इसीक्रम में श्रावण मास में आयोजित होने वाली कावड़ यात्रा को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए शासन के निर्देश पर जिलाधिकारी

प्रणय सिंह एवं पुलिस कप्तान ओपी सिंह के नेतृत्व में कावड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किये गये है। जनपद कासगंज अन्तर्गत लहरा गंगा घाट, कछला गंगा घाट एव कादरगंज गांगा घाट पर देश के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु गंगा जल लेने के लिए गंगा घाटों पर पहुंचते है। जहां से श्रद्धालु गंगा जल लेकर शिवालियों में भगवान शिव को गंगा जल अर्पित कर अपनी श्रद्धा भाव को व्यक्त करते है। श्रावण मास में होने

व्यवस्थाओं को व्यवस्थित करना प्रशासन का नैतिक दायित्व- डीएम, एसपी

कासगंज। जिलाधिकारी प्रणय सिंह एवं पुलिस कप्तान ओपी सिंह ने संयुक्तरूप से कहा कि भारतवर्ष विभिन्न धर्मातिवियों का देश है। जहां विभिन्न धर्मों के समय-समय पर धार्मिक उत्सव आयोजित किये जाते है प्रशासन का एक ही उद्देश्य है कि किसी भी धर्मातिवियों की आस्था पर चोट न पहुँचे जिसके लिए प्रशासन द्वारा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था करना उसका नैतिक दायित्व है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए श्रावण मास में आयोजित हो रही कावड़ यात्रा को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए प्रशासन ने कड़ी व्यवस्थाओं को अंजाम दिया है। जिससे किसी भी कावड़ यात्री को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

वाली इस कावड़ यात्रा को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए जिलाधिकारी प्रणय सिंह एवं पुलिस कप्तान ओपी सिंह ने गंगा घाटों का निरीक्षण करते हुए वहा पर एनडीआरएफ की टीम के साथ स्थानीय गोताखोरों को भी तैनात किया गया है। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए भारी मात्रा में वदीधारी एवं सदा कपड़ों में सुरक्षा कर्मियों को भी तैनात किया है। इतना ही नहीं कावड़

लेकर जाने वाले कावड़ियों की व्यवस्था के लिए जिलाधिकारी के निर्देश पर स्वास्थ्य कैम्प भी लगाये गये है। यात्रा मार्ग में भी जगह-जगह सुरक्षा कर्मी भी कड़ी निगरानी किये हुए है। शासन के निर्देश पर गंगा जल लेकर जाने वाले कावड़ियों के ऊपर जिला प्रशासन द्वारा पुष्पवर्षा कर उनके लिए अल्पाहार भी वितरित किया जा रहे है। जिससे श्रावण मास की कावड़ यात्रा सकुशल सम्पन्न हो सके।

एसपी ने शहर के कावड़ मार्ग का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का लिया जायजा एसपी ने रात्रि में कावड़ मार्ग का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ाया

मोर्निंग सिटी

कासगंज जनपद में श्रावण मास में आयोजित पवित्र कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक कासगंज ओ. पी. सिंह द्वारा जनपद के कांवड़ यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण कर सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था का जायजा लिया गया। इस दौरान उन्होंने सोरों गेट, मोहनपुरा, एटा बॉर्डर सहित विभिन्न महत्वपूर्ण स्थलों का भ्रमण कर कांवड़ यात्रा से संबंधित व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह ने कांवड़ यात्रा पर जा रहे शिवभक्त कांवड़ियों से संवाद स्थापित कर उनकी यात्रा, सुरक्षा एवं उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की तथा उन्हें सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण यात्रा के लिए



शुभकामनाएं दीं। साथ ही संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि कांवड़ियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने पाए तथा उनकी प्रत्येक समस्या का त्वरित एवं संवेदनशीलता के साथ निराकरण

किया जाए। पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह द्वारा द्वारा कांवड़ यात्रा मार्ग पर यातायात व्यवस्था, बैरिकेडिंग, ड्यूटी प्वाइंट, सुरक्षा प्रबंध, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया गया। उन्होंने

संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि यात्रा के दौरान सतर्क दृष्टि बनाए रखते हुए प्रत्येक गतिविधि पर प्रभावी निगरानी रखी जाए तथा किसी भी सूचना पर तत्काल एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा कांवड़ यात्रा कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया गया, जहां स्थापित सीसीटीवी कैमरों, निगरानी प्रणाली एवं कंट्रोल रूम की कार्यप्रणाली को अवलोकन किया गया। उन्होंने ड्यूटीरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि कांवड़ मार्ग पर स्थापित सभी सीसीटीवी कैमरों की सतत मॉनिटरिंग की जाए, इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार, क्षेत्राधिकारी नगर आंचल चैवान, प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली कासगंज जगदीश चन्द्र एवं अन्य पुलिस बल साथ में रहा।

थाना रनियाँ पुलिस द्वारा लूट की घटना का सफल अनावरण करते हुए 03 आरोपियों को किया गया गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी

रनिया (कानपुर देहात) आपराधिक घटनाओं की रोकथाम व खुलासे हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में वादी राजन उर्फ अखिलेश शंखवार पुत्र रामगोपाल निवासी वार्ड नं0 10 श्यामसुन्दर नगर कस्बा व थाना रनियाँ जनपद कानपुर देहात के द्वारा दिनांक 29/30 जुलाई की रात्रि में करीब 01.30 बजे अज्ञात अभियुक्तों द्वारा वादी के घर में घुसकर मारपीट कर लूटपाट की घटना कारित करने के सम्बन्ध में दी गयी लिखित तहरीर के आधार पर थाना रनियाँ पर मु0अ0सं0 141/2026 धारा 309(6) बीएनएस बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया था। उक्त घटना के शीघ्र अनावरण हेतु उच्चाधिकारियों द्वारा टीम गठित की गयी थी। गठित टीम में थानाध्यक्ष दिनेश कुमार गौतम मय एसओजी टीम द्वारा बुधवार को घटना में सम्मिलित आरोपियों को ग्राम परसीली की तरफ से 01 मोटर साईकिल पर आते हुए नारी खेत नहर पुल किशारवल रोड से गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगण के कब्जे से घटना से सम्बन्धित रुपये, सोने चाँदी के जेवरता, आधार कार्ड, 01 मोबाइल फोन व घटना में प्रयुक्त मोटरसाईकिल नं0 वड 24 अव 8824 को बरामद किया गया। अभियुक्त क्यूम अली उपरोक्त के कब्जे से 01 तमचा 315 बोर नाजायज व 03 जिन्दा कारस 315 बोर नाजायज बरामद हुआ। अभियुक्तगण की गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर मुकदमा उपरोक्त में धारा 317(2) बीएनएस की बढोत्तरी करते हुए अभियुक्तगण उपरोक्त के नाम प्रकाश में लाये गये तथा मु0अ0सं0 144/2026 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट बनाम क्यूम



अली उपरोक्त पंजीकृत किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण को नियमानुसार माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। आरोपियों में आस मोहम्मद उर्फ आलू (30) वर्ष पुत्र मेहरुद्दीन निवासी नूरपुर थाना कादरचौक जनपद बदर्यु, राजू शाह उर्फ लहीक (36) वर्ष पुत्र स्व0 मजीद शाह निवासी ग्राम रानी नागल थाना भोजपुर जिला भुरादबाद,क्यूम अली (45) वर्ष पुत्र स्व0 इकरार अली निवासी मोहल्ला सरायखान कस्बा व थाना मीरगंज जनपद बरेली।

आरोपियों से पूछताछ में बताया गया कि हम लोगों की मुलाकात बिल्हौर में अमजद निवासी ग्राम मटियामऊ थाना अकबरपुर जनपद कानपुर देहात से कुछ दिन पहले हुई थी,

अमजद ने हम लोगों को बताया था कि कस्बा रनियाँ में सोने चाँदी की दुकान है यदि उस दुकान में चोरी का प्लान बनाया जाये तो काफी माल मिल सकता है, हम लोग अपने साथी अमजद के साथ मोटर साईकिलों से दिनांक 29/30 जुलाई की रात में कस्बा रनियाँ आये थे और रात में मिश्रा ज्वेलर्स की दुकान के पास आकर चोरी करने का प्रयास किया था, परन्तु दुकान के अन्दर हम लोग नहीं घुस पाये थे तो हम लोग लूट करने की नियत से मिश्रा ज्वेलर्स रनियाँ के पीछे खेतों पर बने एक मकान में घुस कर मारपीट कर घर से सोने चाँदी के जेवर

व नगदी तथा एक मोबाइल लूट लिया था। उक्त घटना में एक आधार कार्ड भी आ गया था। हम तीन लोगों से जो रुपये, सोने-चाँदी के जेवरता, की-पैड मोबाइल फोन (लावा कम्पनी का) और आधार कार्ड बरामद हुआ है, वह हमने रनियाँ में उसी मकान से लूटे थे। बाकी सामान व रुपये अमजद के पास हैं उसने हम लोगों को यही सामान दिया था। हम लोग घटना करने के बाद अपनी-अपनी मोटरसाईकिल से चले गये थे।

आरोपियों से पूछताछ के आधार पर अभियुक्त अमजद पुत्र अज्ञात निवासी मटियामऊ थाना अकबरपुर जनपद कानपुर देहात का नाम प्रकाश में लाते हुए गिरफ्तारी हेतु सार्थक प्रयास किये जा रहे हैं।

आम जनमानस के 201 गुमशुदा/खोये हुए मोबाइल को बरामद कर स्वामियों को सुपुर्द किये गए '



मोर्निंग सिटी

माती (कानपुर देहात) जनपद कानपुर देहात पुलिस द्वारा नागरिकों के गुमशुदा/खोये हुए मोबाइल फोन की बरामदगी हेतु निरंतर प्रभावी अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में सर्विलांस टीम/थाना साइबर क्राइम, स्पेशल टीम तथा जनपद के समस्त थानों की साइबर हेल्प डेस्क द्वारा प्राप्त मोबाइल गुमशुदगी संबंधी प्रार्थना पत्रों पर तकनीकी माध्यमों से प्रभावी कार्यवाही की गई। सीईआईआर (उपस्क) पोर्टल एवं सर्विलांस तकनीक के माध्यम से विभिन्न राज्योँ, विभिन्न जनपदों तथा जनपद कानपुर देहात के विभिन्न थाना क्षेत्रों से ट्रैस किए गए मोबाइल फोन बरामद किए गए। टीमें के सतत प्रयास एवं तकनीकी दक्षता के परिणामस्वरूप कुल 201

गुमशुदा/खोये हुए मोबाइल फोन (अनुमानित कुल कीमत लगभग ₹ 30,08,900/-) बरामद किए गए। गुरुवार को पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पाण्डेय द्वारा बरामद किये गये उक्त मोबाइल उनके स्वामियों को सुपुर्द किये गये।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि जनपद पुलिस आधुनिक तकनीक एवं सीईआईआर पोर्टल का प्रभावी उपयोग करते हुए नागरिकों की गुमशुदा संपत्ति की बरामदगी हेतु निरंतर कार्य कर रही है तथा भविष्य में भी इस प्रकार के अभियान सतत रूप से संचालित किए जाते रहेंगे। अपने गुमशुदा मोबाइल फोन पुनः प्राप्त कर लाभार्थियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए जनपद कानपुर देहात पुलिस का आभार व्यक्त किया।

हत्या का प्रयास करने के सम्बन्ध में वांछित को घटना में प्रयुक्त 01 हंसिया के साथ किया गया गिरफ्तार

मोर्निंग सिटी

भोगनीपुर (कानपुर देहात) जनपद कानपुर देहात में अपराधों की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में कारवाही करते हुए बुधवार को समय करीब 08.30 बजे वादी नवनीत सचान पुत्र श्री अजीत सिंह सचान निवासी ग्राम गुरुगांव थाना भोगनीपुर जनपद कानपुर देहात के पिता अजीत सिंह सचान अपने खेत पर बोई तिली की फसल की देखभाल करने जाने तभी अभियुक्त रवि पुत्र छोटेलाल उर्फ बैराठी निवासी ग्राम गुरुगांव थाना भोगनीपुर जनपद कानपुर देहात व 01 बालअपचारी उम्र करीब 16 वर्ष द्वारा वादी के पिता के खेत में घास काटने के साथ तिली के पौधों को नुकसान पहुंचाने तथा वादी के पिता द्वारा मना करने पर अभियुक्त रवि उपरोक्त द्वारा वादी के पिता को पीछे से जकड़ लेने तथा बालअपचारी उपरोक्त द्वारा वादी के पिता के पेट में हंसिया मार देने जिससे वादी के पिता गंभीर रूप से घायल हो जाने के सम्बन्ध में वादी द्वारा दी गयी लिखित तहरीर के आधार पर थाना भोगनीपुर पर मु0अ0सं0 266/2026 धारा 109(1) बीएनएस बनाम 1. रवि पुत्र छोटेलाल उर्फ बैराठी निवासी ग्राम गुरुगांव थाना भोगनीपुर



जनपद कानपुर देहात व 01 बालअपचारी पंजीकृत किया गया। मुकदमा उपरोक्त में थाना भोगनीपुर पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुए शुक्रवार को वांछित अभियुक्त रवि कुमार पुत्र छोटेलाल उर्फ बैराठी निवासी ग्राम गुरुगांव थाना भोगनीपुर जनपद कानपुर देहात को बढोली मोड के पास हाइवे पर, थाना भोगनीपुर जनपद कानपुर

देहात से गिरफ्तार किया गया तथा विधि का उल्लंघन करने वाले उपरोक्त बालअपचारी को निगरानी में लिया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त को माननीय न्यायालय के समक्ष नियमानुसार प्रस्तुत किया गया तथा विधि का उल्लंघन करने वाले बालअपचारी के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गयी।

मोर्निंग सिटी

२पुखरायां (कानपुर देहात) राज्य स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता एवं चयन ट्रायल 2026-27 का आयोजन मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक कानपुर शिवेंद्र प्रताप सिंह के निर्देशन में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में खंड शिक्षा अधिकारी ईश्वर कांत मिश्रा द्वारा जनपद के एक मात्र विद्यालय के.जी.बी.वी गौर अमरधा में शनिवार को तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया ,



इस प्रतियोगिता में विद्यालय की 42 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया। शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय की छात्राओं ने कुल 15 पदक अपने नाम किए।

इन सभी प्रतिभाशाली छात्राओं का चयन अब आगामी राज्य स्तरीय आर्यी चैम्पियनशिप के लिए हुआ है, जिसका आयोजन मिर्जापुर

(रॉबर्टसगंज) में किया जाएगा। यहाँ विद्यालय की ये बेटीयाँ उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आने वाली प्रतिभागियों के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगी।

यह उपलब्धि छात्राओं की मेहनत, लगन, अनुशासन और खेल प्रतिभा का शानदार उदाहरण है। विद्यालय परिवार के लिए यह गर्व का क्षण है। इस अवसर पर आशीष कुमार पांडेय(जिला

बेसिक शिक्षा अधिकारी),अरुणेश सिंह (जिला समन्वयक बालिका शिक्षा),ईश्वर कांत मिश्रा (खण्ड शिक्षा अधिकारी अमरौधा), अधीक्षक सिंह(सचिव आर्यी एसोसिएशन कानपुर देहात) दिनेश बाबू(ब्लॉक नोडल स्पॉटर्स),रेनु देवी,निधि सचान सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यालय परिवार उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य केंद्र रसूलाबाद में कन्या जन्मोत्सव कार्यक्रम व विकास खण्ड में द्वितीय त्रैमासिक बैठक का आयोजन

मोर्निंग सिटी

रसूलाबाद(कानपुर देहात) जिलाधिकारी कपिल सिंह एवं मुख्य विकास अधिकारी विधान जायसवाल के मार्गदर्शन में व जिला प्रोबेशन अधिकारी के नेतृत्व में शुक्रवार को महाराणा प्रताप सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र रसूलाबाद में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजानातर्गत 07 नवजात बालिकाओं का केक काटकर कन्या जन्मोत्सव मनाया गया। जिसमे बालिकाओं की माताओं को बेबी केयर किट वितरित की गयी। कार्यक्रम में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी द्वारा पीसीपीएनडीटी एक्ट एवं केन्द्र सरकार द्वारा संचालित राहगीर योजना के बारे में विस्तृत चर्चा की गई साथ ही जिला मिशन समन्वयक द्वारा महिलाओं व पुरुषों को बेटा-बेटी में किसी प्रकार का भेदभाव न करने, बालिकाओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिये प्रेरित करने, बालिकाओं को बालकों के समकक्ष समझा जाना तथा कन्या भ्रूण हत्या के प्रति जागरूक किया गया साथ ही ५0 कन्या सुमंगला योजना के लाभार्थियों के आवेदन कराये जाने हेतु विस्तृत चर्चा की गयी।

विकास खण्ड रसूलाबाद के सभागार में प्रभारी खण्ड विकास अधिकारी की अध्यक्षता में ब्लॉक बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति व बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की द्वितीय त्रैमासिक बैठक आहूत



की गयी। बैठक में प्रभारी खण्ड विकास अधिकारी द्वारा विकासखण्ड के समस्त केन्द्रों से उपस्थित आगनबाड़ी कार्यकत्रियों को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की शपथ दिलाते हुये आगनबाड़ी कार्यकत्रियों को अपने केन्द्रों में शपथ दिलाने हेतु प्रेरित किया गया,सदस्य बाल कल्याण समिति द्वारा किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण अधिनियम) 2015 नियमावली 2016 के अन्तर्गत बच्चों के सुरक्षात्मक वातावरण के विषय में बताया गया जिला प्रोबेशन कार्यालय से जेंडर स्पेशलिस्ट द्वारा बेटी बचाओ

बेटी पढ़ाओ योजना पर विस्तृत चर्चा करते हुये पम्पलेट्स पोस्टर आगनवाड़ी कार्यक्रमियों को वितरित किये गये। इस मौके पर खण्ड विकास अधिकारी रसूलाबाद,प्रभारी चिकित्सा अधिकारी रसूलाबाद, सदस्य बाल कल्याण समिति,प्रतिनिधि बाल विकास परियोजना अधिकारी, जिला प्रोबेशन कार्यालय से जिला मिशन समन्वयक, सेंटर मैनेजर,जेण्डर स्पेशलिस्ट, सामाजिक कार्यकर्ता, सुपरवाइजर, आगनवाड़ी कार्यकत्री, आशा बहुर्ये, महिला व पुरुष आदि लोग उपस्थित रहे।

राजपुर पुलिस ने 08 जुआरियों को 22 हजार रुपए नकद,08 मोबाइल फोन,04 वाहन तथा अन्य सामग्री के साथ किया गिरफ्तार



मोर्निंग सिटी

राजपुर (कानपुर देहात) जनपद कानपुर देहात में आपराधिक घटनाओं की रोकथाम व खुलासे हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में शुक्रवार को थाना राजपुर पुलिस टीम द्वारा मुखबि की सटीक सूचना पर जुआ खेल रहे जितेन्द्र कुमार मुबारकपुर,रोहित कुमार मुबारकपुर,मनीष निपनिया जालौन,विमल सिंह हाजिरपुर सिकंदरा,राजकुमार सिंह सरैनी जालौन,अर्जुन सिंह मुसमरिया जालौन,जयवीर सिंह पिथऊपुर जालौन ,आलोक सिंह गोपालपुर सिकंदरा को थाना राजपुर क्षेत्र

के गौरी रतनपुर के ग्राम सचिवालय के पीछे जुआ खेलते हुए हिरासत में लिया गया, जिनकी जामा तलाशी से 9,800 रुपए, 08 मोबाइल फोन, एक बोलेरो कार, एक ब्रेजा कार तथा फड से 52 ताश के पत्ते, 01 जली हुई मोमबत्ती, 01 लाइटर व 12,200 रुपए बरामद हुए। बरामदगी व गिरफ्तारी के आधार पर थाना राजपुर पर मु0अ0सं0 089/2026 धारा 13 जुआ अधिनियम बनाम अभियुक्त उपरोक्त व उमेश यादव निवासी ग्राम अरसुन थाना अमराहट (भागा हुआ) के विरुद्ध पंजीकृत किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्तगण के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही की गयी।

हर घर तिरंगा अभियान-2026 के अंतर्गत पुखरायां में निकाली गई तिरंगा रैली



मोर्निंग सिटी

पुखरायां (कानपुर देहात) हर घर तिरंगा अभियान-2026 के अंतर्गत शनिवार को केबिनेट मंत्री राकेश सचान की उपस्थिति में नगर पालिका पुखरायां में कार्यालय से पटेल चौक तक तिरंगा रैली निकाली गई। रैली के दौरान देशभक्ति एवं राष्ट्रीय एकता का उत्साहपूर्ण वातावरण देखने को मिला।

केबिनेट मंत्री राकेश सचान ने जनपदवासियों से अपील की कि वे द्वाहर घर तिरंगा अभियान-2026ह में बढ़-चढ़कर सहभागिता करें तथा अपने घरों एवं प्रतिष्ठानों पर सम्मान एवं गरिमा के साथ राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराएं। उन्होंने कहा कि तिरंगा देश की आन, बान और शान का प्रतीक है तथा

प्रत्येक नागरिक का दायित्व है कि वह राष्ट्रीय ध्वज की गरिमा एवं सम्मान बनाए रखे। रैली के माध्यम से आमजन को राष्ट्रीय एकता, अखंडता, देशभक्ति एवं राष्ट्र गौरव का संदेश दिया गया तथा जनपदवासियों से अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया गया।

इस अवसर पर अन्य जनप्रतिनिधि उप जिलाधिकारी भोगनीपुर,अधिशासी अधिकारी नगर पालिका पुखरायां, अन्य संबंधित अधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

रैली में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए हर घर तिरंगा अभियान-2026 को सफल बनाने तथा प्रत्येक घर तक तिरंगे की शान पहुंचाने का संदेश दिया।

आगामी त्योहारों के मद्देनजर एसपी द्वारा एएसपी, क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों के साथ समीक्षा बैठककी गई '



मोर्निंग सिटी

माती (कानपुर देहात) शनिवार को पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेंद्र पाण्डेय द्वारा श्रावण मास, कांवड़ यात्रा एवं शिवरात्रि एवं के दृष्टित जनपद की कानून-व्यवस्था, सुरक्षा व्यवस्था एवं यातायात/रूट व्यवस्था को लेकर अपर पुलिस अधीक्षक, समस्त क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई। बैठक में आगामी धार्मिक आयोजनों एवं पर्वों के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, कांवड़ यात्रियों के आवागमन, प्रमुख शिव मंदिरों एवं संवेदनशील स्थलों पर सुरक्षा व्यवस्था तथा यातायात के सुचारू संचालन के संबंध में

आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि कांवड़ यात्रा एवं पर्व के दौरान रूट डायवर्जन, यातायात व्यवस्था, एवं पुलिस बल की तैनाती का समुचित प्रबंध सुनिश्चित किया जाए। प्रमुख मार्गों एवं मंदिरों के आसपास लगातार भ्रमण एवं प्रभावी पेट्रोलिंग की जाए तथा भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात रखा जाए। सभी क्षेत्राधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में संवेदनशील स्थानों को निश्चित कर सतर्कता बरतने, धार्मिक स्थलों की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण करने तथा स्थानीय आयोजकों एवं कांवड़ समितियों के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए गए।

इंडस्ट्री में महिला कलाकारों को अक्सर वह पहचान नहीं मिलती जिसकी वे हकदार हैं



‘तारक मेहता का उल्टा चश्मा’ में बबीता जी का रोल करने वाली मुनमुन दत्ता ने हाल ही में बताया कि इंडस्ट्री में औरतों को लेकर मेदभाव किया जाता है। उन्हें उतना क्रेडिट नहीं दिया जाता, जितना वो डिजर्व करती हैं। शो के बारे में भी एक्ट्रेस ने काफी कुछ कहा।

‘तारक मेहता का उल्टा चश्मा’ की एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता, बबीता जी का रोल निभाकर घर-घर में पहचानी जाने लगीं। हाल ही में उन्होंने कहा कि इस लंबे समय से चल रहे शो में महिलाओं के योगदान के लिए उन्हें अधिक पहचान मिलनी चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि वे शो और अपने किरदारों में बहुत योगदान देती हैं। TMKOC के 18 साल पूरे होने के मौके पर हुई प्रेस कॉन्फेंस में मुनमुन ने अपनी महिला को-स्टार्स के लिए तारीफ ज़ाहिर की। उन्होंने उनके हुनर, कमिटमेंट और प्रोफेशनलिज्म की तारीफ की। एक्ट्रेस ने खुद को मजबूत फेमिनिस्ट बताया और कहा कि उन्होंने शो में दूसरी महिलाओं को कभी भी कॉम्पिटिशन के तौर पर नहीं देखा। उन्होंने कहा, ‘मैं लड़कियों का साथ देने वाली और पुराने ख्यालों वाली इंसान हूँ। मैं एक मजबूत फेमिनिस्ट हूँ। मेरा मानना है कि अगर आगे बढ़ना है, तो साथ मिलकर बढ़ना होगा। मुझे यहां किसी से भी कभी असुरक्षा महसूस नहीं हुई।’ मुनमुन ने शो की कास्ट के पुराने और नए, दोनों तरह के सदस्यों की तारीफ की और कहा कि शो की कामयाबी में सभी का अहम योगदान रहा है।

उन्होंने कहा, ‘हमारी कास्ट में कुछ बेहतरीन सदस्य हाल ही में शामिल हुए हैं और वे बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। हर कोई अपने-अपने तरीके से शानदार काम कर रहा है।’ इसके बाद एक्ट्रेस ने अपनी महिला साथियों का खास जिक्र किया।

‘तारक मेहता’ की एक्ट्रेस अलग
उन्होंने गोकुलधाम सोसाइटी की महिलाओं का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस की अलग-अलग तारीफ की और उनके साथ काम करने के अनुभव को शानदार, समझदार और बेहतरीन बताया। उन्होंने यह भी कहा कि भले ही शो की कामयाबी का पूरा श्रेय उन्हें नहीं मिलता, लेकिन वे शो और इस मशहूर सिटकॉम में अपने किरदारों में बहुत कुछ नया और खास जोड़ती हैं।

महिलाओं को कम आंका जाता है
उन्होंने कहा, ‘मैं इन शानदार महिलाओं के साथ

काम करके बहुत खुश हूँ। हमारा रिश्ता बहुत अच्छा है और मुझे लगता है कि वे सभी कमाल की हैं।’ मुनमुन ने यह भी कहा कि शो की सफलता में बराबर का योगदान देने के बावजूद महिला कलाकारों को अक्सर वह पहचान नहीं मिलती जिसकी वे हकदार होती हैं। उन्होंने कहा, ‘कभी-कभी महिलाओं को उतना महत्व नहीं दिया जाता।’

‘तारक मेहता का उल्टा चश्मा’ के 18 साल पूरे

उन्होंने आगे कहा कि कलाकारों के बीच आपसी तालमेल और प्रोफेशनलिज्म की वजह से ही यह सिटकॉम लगभग दो दशकों से दर्शकों का पसंदीदा बना हुआ है। मुनमुन ने कहा, ‘हम सभी रोज आते हैं, अपना बेस्ट देते हैं और पूरी ईमानदारी और प्रोफेशनलिज्म के साथ काम करते हैं। कोई छिपा हुआ एजेंडा नहीं है। हम सच में एक-दूसरे के काम की तारीफ करते हैं।’ जो लोग नहीं जानते, उन्हें बता दें कि 28 जुलाई को 18 साल पूरे करने के बाद ‘तारक मेहता का उल्टा चश्मा’ भारतीय टेलीविजन के सबसे लंबे समय तक चलने वाले सिटकॉम में से एक बन गया है।



वामसी पेडिपल्ली की फिल्म के लिए सलमान खान ने घटाई फीस

सलमान खान का सिनेमा की दुनिया में अलग ओहदा है। वे इंडस्ट्री के सबसे ज्यादा फीस लेने वाले सितारों में शामिल हैं। फिलहाल भाईजान आगामी फिल्म ‘मातृभूमि’ को लेकर सुर्खियों में हैं। इसके बाद उनके पास डायरेक्टर वामसी पेडिपल्ली की फिल्म ‘SVC63’ है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि ‘SVC63’ फिल्म के लिए उन्होंने अपनी फीस कम की है।

कितनी फीस ले रहे सलमान खान? रिपोर्ट्स की मानें तो डायरेक्टर वामशी के साथ अपनी आने वाली फिल्म के लिए सलमान खान ने एक चौकाने वाला फैसला किया है। बताया जा रहा है कि सलमान ‘SVC63’ के लिए 70 करोड़ रुपये बतौर फीस ले रहे हैं। आमतौर पर उनकी फीस फिल्मों के लिए 120 करोड़ रुपये होती है। मगर, वामसी के लिए मिलने वाली रकम काफी कम है।

भाईजान ने दोस्ती की खातिर लिया फैसला?

इंडस्ट्री से जुड़े एक शख्स के मुताबिक, यह फैसला रफी काजी के साथ सलमान की दोस्ती की वजह से लिया गया। कहा जाता है कि उन्होंने इस प्रोजेक्ट को शुरू करने में मदद की और वे इसके प्रोड्यूसर में से भी एक होंगे। सूत्र ने ‘फ्री प्रेस जर्नल’ को बताया, ‘सलमान, जिनकी मार्केट वैल्यू पिछले लगभग 20 वर्षों से हर फिल्म के लिए 120 करोड़ रुपये से ज्यादा रही है। मगर, उन्होंने स्टूडेंट्स 63 के मेकर्स को यह छूट इसलिये दी है, क्योंकि उनके पुराने दोस्त रफी काजी इस प्रोजेक्ट में मीडिएटर हैं।’

क्या मुनाफे में हिस्सा लेंगे सलमान?

बता दें कि इस फिल्म के निर्माता दिल राजू होंगे। वहीं, रफी का नाम भी फिल्म के निर्माताओं में शामिल होगा। दोस्ती की वजह से ही सलमान अपनी फीस में बड़ी कटौती करने के लिए तैयार हुए हैं। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि सलमान ने फिल्म के मुनाफे में हिस्सेदारी के लिए कोई बातचीत की है या नहीं। सूत्रों का कहना है कि उन्हें किसी भी बैकएंड डील के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

बॉलीवुड छोड़ना चाहती थीं यामी गौतम माता-पिता ने बहुत साथ दिया

बॉलीवुड अभिनेत्री यामी गौतम ने बताया है कि एक समय ऐसा आया था, जब वह बॉलीवुड छोड़ने ही वाली थीं। यामी ने माना कि 2019 में ‘उरी: द सर्जिकल स्ट्राइक’ और ‘बाला’ फिल्मों ने उनके करियर की दिशा बदल दी। ‘विकी डोनर’ (2012) से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली अभिनेत्री ने बताया कि बेहतर मौकों के इंतजार में ऐसे रोल भी स्वीकार करने पड़ते थे जो पसंद नहीं थे।

हिमाचल जाना चाहती थीं यामी यह पूछे जाने पर कि क्या उन्होंने कभी बॉलीवुड छोड़ने के बारे में सोचा था? इस पर यामी ने कहा ‘हां। असल में, ‘उरी’ और ‘बाला’ से ठीक पहले, मैंने इंडस्ट्री को पूरी तरह छोड़ने का मन बना लिया था। मैंने सोचा था कि मैं हिमाचल लौट जाऊंगी। वहां हमारी खेती की जमीन है। मैंने

एक बिल्कूल अलग ज़िंदगी शुरू करने के बारे में सोचा था। मेरे माता-पिता ने मेरा बहुत साथ दिया। उन्होंने बस इतना कहा, ‘घर आ जाओ।’

अभिनेत्री ने सीखी एक चीज

37 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा कि इस अनुभव ने उन्हें उनके करियर का एक बहुत जरूरी सबक सिखाया। वह यह कि अपने फैसलों पर डर को हावी न होने देना। ‘उरी’ ने न सिर्फ यामी गौतम के करियर को आगे बढ़ाया, बल्कि उन्हें डायरेक्टर आदित्य धर के करीब भी लाया, जिनसे वह फिल्म के सेट पर मिली थीं। बाद में दोनों ने 2021 में शादी कर ली और 2024 में उनके घर पहले बच्चे, एक बेटे ‘वेदविद’ का जन्म हुआ। इतने वर्षों में यामी ने कई तरह की फिल्मों की हैं, जिनमें ‘दसवीं’, ‘चोर निकल के भागा’, ‘ओएमजी 2’, ‘हक’ और ‘आर्टिकल 370’ जैसी फिल्मों में शामिल हैं। यामी को मिला नेशनल फिल्म अवॉर्ड हाल ही में उन्हें ‘आर्टिकल 370’ में उनकी बेहतरीन एक्टिंग के लिए बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिला। यह फिल्म भारतीय संविधान के आर्टिकल 370 के तहत जम्मू-कश्मीर का स्पेशल स्टेटस खत्म किए जाने की 2019 की घटना पर आधारित है।



सलमान की सलाह पर अपना नाम बदलकर कियारा रखा

कियारा आडवाणी आज बॉलीवुड की सबसे चर्चित और सफल अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। उन्होंने अपनी सादगी और अभिनय के दम पर लाखों लोगों का दिल जीता। उनके इस स्टारडम के पीछे अभिनेता सलमान खान का खास योगदान रहा।

दरअसल, सलमान ने कियारा को सलाह दी थी कि अगर उन्हें इंडस्ट्री में अपनी अलग जगह बनानी है, तो उनकी पहचान भी सबसे अलग होनी चाहिए। इस सलाह के बाद एक्ट्रेस ने ऐसा कदम उठाया कि वह दुनियाभर में पहचानी जाने लगीं। उनका असली नाम आलिया आडवाणी है। जब कियारा फिल्मों में आने की तैयारी कर रही थीं, तब उनका नाम आलिया आडवाणी था। उस समय आलिया भट्ट बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान बना चुकी थीं। ऐसे में सलमान खान ने उन्हें सलाह दी कि अगर वह इंडस्ट्री में अपनी अलग जगह बनाना चाहती हैं, तो उन्हें एक अलग नाम अपनाना चाहिए। कियारा ने कई इंटरव्यू में बताया कि सलमान खान की सलाह पर उन्होंने अपना नाम बदलकर कियारा रख लिया। यह नाम उन्हें प्रियंका चोपड़ा की फिल्म ‘अंजाना अंजानी’ के एक किरदार से पसंद आया था। बाद में यही नाम उनकी नई पहचान बन गया।

साल 2014 में कियारा ने फिल्म ‘फगली’ से बॉलीवुड में कदम रखा। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं रही। साल 2016 में उनकी किस्मत बदली। उन्हें ‘एमएस धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी’ में साक्षी धोनी का किरदार निभाने का मौका मिला। यह फिल्म बड़ी हिट साबित हुई और कियारा को पूरे देश में पहचान मिल गई। इसके बाद उन्होंने तेलुगु फिल्म ‘भारत अने नेनु’ में महेश बाबू के साथ काम किया। यह फिल्म भी सुपरहिट रही और कियारा ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी मजबूत पहचान बना ली। साल 2018 में नेटफ्लिक्स की ‘लस्ट स्टोरीज’ में उनका अलग अंदाज देखने को मिला। इसके बाद 2019 में रिलीज हुई ‘कबीर सिंह’ उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्मों में शामिल हो गई। फिल्म में उन्होंने प्रीति का किरदार निभाया, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। इसी साल आई ‘गुड न्यूज’ भी बॉक्स ऑफिस पर सफल रही। इस फिल्म में अभिनय के लिए उन्हें आईका अवॉर्ड में सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री का सम्मान मिला। इसके बाद कियारा ने ‘गिल्टी’, ‘लक्ष्मी’, ‘इंदू की जवानी’, ‘शेरशाह’, ‘भूल भुलैया 2’, ‘जुगजुग जियो’, ‘गोविंदा नाम मेरा’, ‘सत्यमेव की कथा’, ‘गेम चेंजर’ और ‘वॉर 2’ जैसी फिल्मों में काम किया। ‘शेरशाह’ और ‘सत्यमेव की कथा’ में उनके अभिनय की काफी तारीफ हुई और इन फिल्मों के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड में सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री की श्रेणी में नामांकन भी मिला।

एक्टिंग में ईमानदारी सबसे जरूरी

प्रियंशी यादव ने टीवी की दुनिया में अलग पहचान बनाने के लिए काफी मेहनत की है। उन्होंने अपने करियर में कई किरदार निभाए और हर प्रोजेक्ट से कुछ नया सीखा। उन्होंने गुरु पूर्णिमा को लेकर अपनी ज़िंदगी के उस शख्स का जिक्र किया, जिसने उन्हें सिर्फ एक बेहतर कलाकार ही नहीं, बल्कि एक बेहतर इंसान बनने में भी मदद की। जब प्रियंशी से पूछा कि ऐसा कौन सा किरदार, भूमिका या अनुभव रहा, जिसने उन्हें एक कलाकार और इंसान के तौर पर बदलने में मदद की, तो उन्होंने कहा, मैंने जिन भी शोज में काम किया है, उन सभी से मैंने कुछ नया सीखा है। हर अनुभव ने मुझे आगे बढ़ने में मदद की है। मैं कहना चाहूंगी कि रोहित राज गोयल के साथ काम करना मेरे सबसे अच्छे अनुभवों में से एक रहा है। उन्होंने मुझे किरदार को समझना, उसे स्वाभाविक तरीके से निभाना और सबसे जरूरी बात, किरदार को सिर्फ परफॉर्म करना नहीं, बल्कि उसे जीना सिखाया। अभिनेत्री ने कहा कि एक कलाकार के लिए सबसे जरूरी बात यह होती है कि वह अपने किरदार के साथ ईमानदार रहे। उन्होंने बताया कि रोहित राज गोयल ने उन्हें समझाया कि किसी भी सीन को करते समय कलाकार को सिर्फ अपनी लाइन बोलने पर ध्यान नहीं देना चाहिए, बल्कि उस किरदार की भावनाओं को महसूस करना चाहिए। यही बात

अभिनय को खास बनाती है। प्रियंशी ने बताया, शुरुआत में मैं कई बार शूटिंग से पहले काफी घबरा जाती थी। किसी सीन को करने से पहले चिंता होने लगती थी और मैं नर्वस महसूस करती थी। तब रोहित ने मुझे एक ऐसी सलाह दी, जिसने मेरी सोचने का तरीका बदल दिया। रोहित ने मुझसे कहा कि जिस दिन अंदर से घबराहट और बेहतर करने की इच्छा पूरी तरह खत्म हो जाए और यह सोचना शुरू हो जाए कि मुझे सब आता है, तो आप उस दिन से एक अच्छा कलाकार नहीं बन पाओगे। एक अभिनेता के अंदर हमेशा यह भावना रहनी चाहिए कि वह अपने काम को और बेहतर कर सकता है। प्रियंशी ने कहा, इस सीख ने मुझे काफी प्रभावित किया। नर्वस होना या किसी सीन को लेकर चिंतित होना गलत नहीं है, बल्कि यह इस बात का संकेत है कि कलाकार अपने काम को लेकर गंभीर है। लेकिन, उस डर को संभालकर अपने अभिनय में ईमानदारी लाना जरूरी है। प्रियंशी यादव इन दिनों जी टीवी के शो तुझसे है रात्ता दिल में में मुख्य भूमिका निभा रही हैं। इस शो में वह वृंदा का किरदार निभा रही हैं। शो की कहानी तीन किरदारों संजय, स्वाति और वृंदा की ज़िंदगी के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनकी राहें आपस में जुड़ती हैं और रिश्तों, भावनाओं और कई उतार-चढ़ाव से भरा सफर शुरू होता है।

